दैनिक राष्ट्रीय गरिमा

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता

www.rashtriyagarima.com

राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

■ भोपाल, मंगलवार 27 अक्टूबर 2026 ■ पृष्ठ : 8, मूल्य ₹ 2 ■ वर्ष : 31, अंक : 131 ■ RNI No.61858/95 ■ Email- rgarima2005@gmail.com



गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गुजरात के सूरत में कोसमाडा में एक भव्य इस्कॉन मंदिर के शिलान्यास समारोह को संबोधित किया।

सुविचार

कभी हार मत मानो, क्योंकि सफलता एक कदम दूर होती है।

संसदें कानून निर्माण,बजट,विचार-विमर्श से दे सकती है महत्वपूर्ण योगदान : बिरला

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने दिल्ली में ब्रिक्स संसदीय मंच को किया संबोधित

संसदीय मंच सदस्य देशों के बीच साझेदारी को और मजबूत करेगा



नई दिल्ली। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के ब्रिक्स को 'समाधानों का पारिस्थितिकी तंत्र' बनाने के विचार का उल्लेख करते हुए कहा कि किसी भी पहल की सफलता केवल चर्चाओं से नहीं,बल्कि उनसे निकलने वाले ठोस परिणामों से मापी जाएगी। उन्होंने सदस्य देशों से शांति,सुरक्षा, पारस्परिक सम्मान, समान अवसर और नागरिकों के बेहतर जीवन जैसे साझा उद्देश्यों के लिए मिलकर कार्ययोजना तैयार करने का आह्वान किया। बिरला ने विश्वास व्यक्त किया कि 12वां ब्रिक्स संसदीय मंच सदस्य देशों के बीच साझेदारी को और मजबूत करेगा तथा अधिक समावेशी, शांतिपूर्ण और सतत विश्व के निर्माण में सार्थक योगदान देगा। उन्होंने कहा कि संसदीय सहयोग के माध्यम से ऐसी कार्ययोजना तैयार की जानी चाहिए, जिससे सदस्य देशों के बीच विश्वास बढ़े और वैश्विक संस्थाएं अधिक न्यायसंगत तथा मानवता की आवश्यकताओं के प्रति उत्तरदायी बनें। दो दिवसीय मंच में ब्रिक्स सदस्य देशों और आमंत्रित देशों के संसदीय प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। भारत वर्ष 2026 में चौथी बार ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है।

नई दिल्ली,(एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को ब्रिक्स देशों से अपनी साझा प्रतिबद्धताओं को ठोस परिणामों में बदलने का आह्वान करते हुए कहा कि संसदें कानून निर्माण,बजट, विचार-विमर्श और निगरानी के माध्यम से इस दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। उन्होंने कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बीच संवाद, कूटनीति और आपसी सहयोग का महत्व और बढ़ गया है तथा संसदें अंतरराष्ट्रीय तनाव कम करने और समस्याओं के शांतिपूर्ण समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। बिरला ने यहां दो दिवसीय 12वें ब्रिक्स संसदीय मंच, 2026 के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि ब्रिक्स संसदीय सहयोग की वास्तविक शक्ति विविधताओं को सामूहिक प्रगति में बदलने की क्षमता में निहित है। उन्होंने सदस्य एवं साझेदार देशों के संसदीय प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि भारत की संसद के ऐतिहासिक संविधान सदन में उनकी उपस्थिति संवाद, पारस्परिक सम्मान और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति साझा प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स इस वर्ष अपनी स्थापना के 20 वर्ष पूरे कर रहा है। संगठन का विस्तार हो रहा है और वैश्विक घटनाक्रम तथा अंतरराष्ट्रीय संबंधों को प्रभावित करने की उसकी क्षमता भी बढ़ रही है। ब्रिक्स देश विश्व की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं और वैश्विक अर्थव्यवस्था तथा अंतरराष्ट्रीय व्यापार में महत्वपूर्ण हिस्सेदारी रखते हैं। यह उनकी सामूहिक शक्ति के साथ-साथ वैश्विक जिम्मेदारी को भी दर्शाता है। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि ब्रिक्स देशों की भौगोलिक, सांस्कृतिक,भाषाई और सामाजिक विविधताओं के बावजूद लोकतांत्रिक मूल्यों तथा मानवता के प्रति साझा जिम्मेदारी उन्हें एक सूत्र में बांधती है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में नई दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के संयुक्त वक्तव्य को सर्वसम्मति से स्वीकार किए जाने को महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि अब इन प्रतिबद्धताओं को ठोस नतीजों में बदलने की जरूरत है।

अमित शाह पर टिप्पणी से जुड़े मानहानि मामले में राहुल गांधी बरी

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर जिले की एमपी-एमएलए अदालत ने तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष और वर्तमान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़े मानहानि मामले में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है। स्पेशल मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत ने सोमवार को यह फैसला सुनाया। फैसले के समय राहुल गांधी अदालत में मौजूद थे। इस मामले की सुनवाई एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट अदालत में चल रही थी। दोनों पक्षों की ओर से लंबी बहस के बाद गत 13 अक्टूबर को सुनवाई पूरी हुई थी। मामले में राहुल गांधी के अधिवक्ता ने अपनी लिखित बहस में विवादित बयान को स्वीकार किया था, पर उसे सद्भाव में दिए जाने एवं किसी को अपमानित करने के इरादे से बयान नहीं देने व तोड़-मरोड़कर बयान पेश किए जाने समेत अन्य तर्क रखे थे। वहीं परिवादी पक्ष के अधिवक्ता ने विवादित बयान देने की बात स्वीकार करने के आधार पर राहुल गांधी को दोषी करार दिए जाने की मांग अदालत से की थी। इसके बाद अदालत ने फैसले के लिए 26 अक्टूबर की तारीख तय की थी। सोमवार को अदालत ने अपने फैसले में राहुल गांधी को बड़ी राहत देते हुए दोषमुक्त करार दिया।

नेशनल हाइवे पर यात्री बस खड़े ट्रक से टकराई, तीन यात्रियों की मौत

रायपुर। छत्तीसगढ़ के रायपुर-बिलासपुर नेशनल हाइवे 130 पर सोमवार सुबह लगभग साढ़े पांच बजे सड़क हादसा हो गया। बलौदाबाजार जिले के सिमगा थाना क्षेत्र के दरचुरा के पास तेज रफ्तार यात्री बस बस खड़े ट्रक में जा घुसी। घटना में 3 यात्रियों की मौत की जानकारी मिली है। जबकि 10 लोग घायल बताए जा रहे हैं। मृतकों की शिनाख्त की जा रही है। सिमगा पुलिस के अनुसार रॉयल ट्रेवल्स की बस (सीजी 04 एनएम 0859) सोमवार सुबह अंबिकापुर से यात्रियों को लेकर रायपुर के लिए निकली थी। अधिकतर यात्री नींद में थे। बस में करीब 22 यात्री सवार थे। सड़क पर तेज रफ्तार में दौड़ रही बस सुबह करीब 5.30 बजे दरचुरा के पास खड़े ट्रक में जा घुसी। बताया गया है कि ट्रक के आसपास ड्राइवरों को सचेत करने के लिए ट्रैफिक कोन (चेतावनी संकेत) लगाए गए थे, लेकिन तेज रफ्तार बस का ड्राइवर शायद उन्हें देख नहीं पाया और बस सीधे ट्रक के पिछले हिस्से में जा घुसी। यात्रियों को संभलने का मौका भी नहीं मिल पाया। 3 लोगों की मौके पर ही मौत गई। वहीं 8 से 10 लोग गंभीर घायल हो गए हैं। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि यात्री बस में बुरी तरह फंस गए, जिन्हें बाद में गैस कटर की मदद से बाहर निकाला गया। घटना की सूचना मिलते ही सिमगा थाना पुलिस और डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची।

नॉर्थ ब्लॉक की छत पर वेल्डिंग के दौरान उठा धुआं, तुरंत पाया गया काबू

नई दिल्ली। राष्ट्रपति भवन के पास स्थित नॉर्थ ब्लॉक में सोमवार को आग लगने की सूचना से हड़कंप मच गया। इमारत के ऊपर धुएं का गुबार दिखाई देने के बाद दमकल विभाग को सूचना दी गई। हालांकि, शुरुआती जानकारी के मुताबिक, नॉर्थ ब्लॉक की छत पर निर्माण कार्य के दौरान वेल्डिंग करते समय चिंगारी उठने से धुआं हुआ । इस पर तुरंत काबू पा लिया गया। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के मुताबिक, नॉर्थ ब्लॉक में आग लगने की सूचना मिलने के बाद दमकल की गाड़ियों को मौके के लिए रवाना किया गया। घटनास्थल पर स्थिति का जायजा लिया जा रहा है। राज्यसभा सदस्य मिलिंद देवरा ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर धुएं की तस्वीर साझा की। उन्होंने कहा कि संसद जाते समय उन्होंने नॉर्थ ब्लॉक के पीछे से घना धुआं उठते देखा। सभी सुरक्षित होंगे और आपातकालीन सेवाएं तेजी से कार्रवाई कर रही होंगी।

नलखेड़ा आने वाले श्रद्धालुओं को मिलेंगी विश्वस्तरीय सुविधाएं : मुख्यमंत्री डॉ.यादव

विकास कार्यों का भूमि-पूजन कर कहा,लखुंदर नदी के तटों पर सुंदर और भव्य घाट बनाएं जाएंगे



भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आने वाले समय में नलखेड़ा में बन रहा मां बगलामुखी देवी लोक आस्था,अध्यात्म,श्रद्धा,अनुभव और धार्मिक पर्यटन का एक बड़ा केन्द्र बनकर उभरेगा। उन्होंने कहा कि देश-दुनिया से नलखेड़ा आने वाले श्रद्धालुओं को अब यहां विश्व स्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने सोमवार को आगर-मालवा जिले की सुसनेर विधानसभा क्षेत्र के नलखेड़ा में विश्व प्रसिद्ध मां बगलामुखी मंदिर परिसर में प्रस्तावित भव्य देवी लोक परियोजना का भूमि-पूजन किया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने पहले मां बगलामुखी मंदिर पहुंचकर माता रानी के दर्शन किए, विधि-विधान से पूजा-अर्चना की तथा प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ उन्होंने भव्य देवी लोक परियोजना के प्रथम चरण के कार्यों का भूमि-पूजन कर शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और सिंगल क्लिक से निर्माण कार्यों का भूमि-पूजन किया। अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री तथा आगर-मालवा जिले के प्रभारी मंत्री नागर सिंह चौहान,विधायक भैरव सिंह बापू एवं पूर्व विधायक राणा विक्रम सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ.यादव का मां बगलामुखी देवी की तस्वीर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि आज नलखेड़ा में 85.40 करोड़ रुपए लागत के मां बगलामुखी देवी लोक का भूमि-पूजन हुआ है। यहां की महिमा अद्भुत है। मां सभी की मनोकामनाएँ पूरी करती हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा हुए उज्जैन में श्रीमहाकाल लोक के लोकार्पण के बाद पूरा मालवांचल का वातावरण बदल गया है। अब मां बगलामुखी देवी लोक के विकास कार्यों को गति दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नलखेड़ा के मार्ग में आने वाली पुलिया और सड़क को आवश्यकतानुसार चौड़ा किया जाएगा, जिससे आवागमन में कोई परेशानी न हो। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने बताया कि आमला से नलखेड़ा तक 55 करोड़ रूपए से अधिक की लागत से लगभग 14 किमी लंबा एक नया बायपास भी बनाया जा रहा है। इस नए फोरलेन के भूमि-पूजन के माध्यम से नागरिकों को बड़ी सौगात मिल रही है। उन्होंने बताया कि लखुंदर नदी पर श्रद्धालुओं के सुरक्षित और सुगम आवागमन के लिए 13.77 करोड़ की लागत से एक नया और विशाल उच्च स्तरीय पुल भी बनाया जा रहा है। साथ ही इस स्थान की सड़क,रेल और हवाई कनेक्टिविटी भी मजबूत की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा बैजनाथ का भी भव्य-दिव्य धाम बन रहा है। मां बगलामुखी का धाम भी ऐसा ही भव्य बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश के 14 से अधिक धार्मिक स्थलों को दिव्यलोक बनाने का संकल्प लिया है।

धार में डिवाइडर से टकराकर कार में लगी आग,चार युवक जिंदा जले

पांचों दोस्त सांवरिया सेठ के दर्शन कर कार से घर लौट रहे थे,एक गंभीर

धार। मध्य प्रदेश के धार जिले में रविवार देर रात हुए सड़क हादसे में चार युवकों की मौत हो गई,जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पांचों दोस्त सांवरिया सेठ के दर्शन कर कार से घर लौट रहे थे। इसी दौरान लेबड़-नयागांव फोरलेन पर उनकी डिजायर कार अनियंत्रित होकर पुलिया के डिवाइडर से टकरा गई और नीचे जा गिरी। टक्कर के बाद कार में आग लग गई, जिससे भीतर फंसे चार युवकों की जिंदा जलने से मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल युवक को प्राथमिक उपचार के बाद इंदौर रेफर किया गया है। पुलिस के अनुसार,हादसा रविवार रात करीब साढ़े 11 बजे सादलपुर थाना क्षेत्र में सादलपुर और खेरोद के बीच एक ढाबे के पास हुआ। कार में सवार पांचों दोस्त सागौर से सांवरिया सेठ के दर्शन करने गए थे। लौटते समय सादलपुर के पास उनकी कार अचानक अनियंत्रित होकर पुलिया के डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का इंजन उखड़कर बाहर जा गिरा और वाहन पुलिया से नीचे गिर गया। इसके तुरंत बाद कार में आग भड़क उठी। हादसे के दौरान एक युवक कार से बाहर गिर गया,जबकि चार अन्य भीतर ही फंसे रह गए। आग तेजी से फैलने के कारण उन्हें बाहर निकलने का मौका नहीं मिला और चारों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं, कार से बाहर गिरे युवक को गंभीर चोटें आई हैं। पुलिस के मुताबिक, मृतकों की पहचान अंकुश उर्फ भीम चौधरी (20) पुत्र विक्रम चौधरी और चेतन चौधरी (20) पुत्र जीवन चौधरी के रूप में हुई है। दोनों बड़ी सागौर में धाकड़ धर्मशाला के पास के रहने वाले थे। इनके अलावा आदित्य उर्फ अनमोल तिवारी (19) पुत्र संतोष तिवारी, निवासी चौधरी मोहल्ला, बड़ी सागौर और अभिषेक सोलंकी (19) पुत्र लक्ष्मण सोलंकी, निवासी सुहागपुर, सागौर की भी हादसे में मौत हो गई।

मिलिट्री प्लेटफॉर्म को ज्यादा असरदार,जानलेवा बनाने के लिए तरीके खोजने होंगे : पुष्पेंद्र सिंह



चीफ लेफ्टिनेंट जनरल ने दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में मेकेनाइजेशन टेक्नोलॉजी संगोष्ठी को किया संबोधित

नई दिल्ली,(एजेंसी)। पश्चिमी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह ने कहा कि सेना को हमेशा आगे रहने के लिए न केवल नई क्षमताएं विकसित करनी होंगी,बल्कि अपने मौजूदा मिलिट्री प्लेटफॉर्म को ज्यादा असरदार, जानलेवा और ज्यादा टिकाऊ बनाने के लिए बेहतर तरीके भी खोजने होंगे। उन्होंने कहा कि ड्रोन,आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सटीक हथियार और दूसरी नई टेक्नोलॉजी आज के समय में युद्ध लड़ने के तरीके को बदल रही हैं। लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह सोमवार को नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में मेकेनाइजेशन टेक्नोलॉजी संगोष्ठी 2.0 (एमटीएस 2.0) के पूर्वावलोकन कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इसका आयोजन पश्चिमी कमान ने सोसाइटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स (एसआईडीएम) के सहयोग से किया था। उन्होंने चंडीगढ़ के चंडीमंदिर मिलिट्री स्टेशन में 14-15 दिसंबर को भविष्य के युद्ध के लिए वर्तमान प्लेटफॉर्म का रूपांतरण थीम पर होने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा भी रखी। इसमें भारतीय सेना,रक्षा उद्योग और शिक्षा जगत के हितधारक एकत्रित होंगे,ताकि मशीनीकृत बलों की प्रौद्योगिकीय प्रगति और उनकी क्षमता संवर्धन पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि हमारा मकसद भारतीय टेक्नोलॉजी और इनोवेशन का सबसे अच्छा इस्तेमाल करना है, ताकि हमारे मौजूदा कॉम्बैट प्लेटफॉर्म को भविष्य के युद्ध के मैदान में एक अहम बढ़त मिल सके। जो बात इस पहल को अलग बनाती है, वह है हमारा बॉटम-अप अप्रोच। हमारे सैनिकों को जमीन पर असल में किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है और टेक्नोलॉजी उनसे निपटने में कैसे मदद कर सकती है? इन ऑपरेशनल जरूरतों के आधार पर हमने खास समस्याओं की पहचान की है और प्रॉब्लम डेफिनिशन स्टेटमेंट बनाए हैं, जिन्हें हम इंडियन इंडस्ट्री, स्टार्टअप्स और एकेडेमिया के साथ शेयर कर रहे हैं। हम प्रॉब्लम स्टेटमेंट के लिए प्रैक्टिकल,सस्ते और इनोवेटिव सॉल्यूशन ढूंढ रहे हैं। पश्चिमी कमान की यह संगोष्ठी युद्ध क्षमता बढ़ाने, प्रौद्योगिकी का उपयोग करने, अनुकूलन क्षमता, काइनेटिक्स (गतिशीलता/प्रहार क्षमता), नवीनीकरण और आत्मनिर्भरता पर केंद्रित होगी। इसमें मुख्य जोर इस बात पर होगा कि कैसे परिचालनगत कमियों और आवश्यकताओं को स्पष्ट रूप से परिभाषित प्रॉब्लम डेफिनेशन स्टेटमेंट्स (पीडीएस) में बदला जाए।

मुख्य चुनाव आयुक्त को बचाने के लिए हर हथकंडा अपना रही सरकार: खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में इस्तेमाल किए जा रहे सॉफ्टवेयर के बारे में सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत जानकारी मांगे जाने पर चुनाव आयोग ने इसे 'व्यापार रहस्य' बताते हुए जानकारी देने से इनकार कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि वोट चोरी के आरोपों पर लगातार खुलासे होने के बावजूद सरकार मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को बचाने के लिए हर हथकंडा अपना रही है। खरगे ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची से जुड़े मामलों का जिक्र करते हुए कहा कि 16.18 लाख फॉर्म-6 आवेदनों का विवरण सार्वजनिक नहीं किया गया। उन्होंने पीलीभीत में 10,470 मतदाता रिकॉर्ड में अनियमितताओं का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अब उत्तर प्रदेश में फॉर्म-6,7 एवं 8 की जांच के लिए आदेश देने की जरूरत पड़ रही है। खरगे ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से इस्तीफा देने और उन्हें संरक्षण देने वाला बताए जा रहे 2023 के कानून को वापस लेने की मांग की।

हर व्यक्ति को सम्मान और आत्मविश्वास के साथ जीने का अवसर मिले : होसबाले

सेवा भारती जयपुर इकाई के वार्षिकोत्सव को संघ सरकार्यवाह ने किया संबोधित



जयपुर, (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि सेवा का उद्देश्य जरूरतमंदों को सुविधाएं देना भर नहीं, बल्कि उनमें स्वाभिमान,आत्मसामर्थ्य और पुरुषार्थ जगाना भी है। सेवा ऐसी होनी चाहिए कि सेवा लेने वाले हाथ,सेवा देने वाले बनें। उन्होंने समाज के समर्थ लोगों से सेवा बस्तियों में जाकर लोगों के साथ आत्मीय संबंध बनाने का आह्वान किया। होसबाले सोमवार को सेवा भारती जयपुर इकाई के वार्षिकोत्सव को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जयपुर में 257 सेवा बस्तियां चिह्नित हैं। यहां शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन, सुरक्षा और स्वाभिमान के लिए काम करने की जरूरत है। संघ के स्वयंसेवकों ने मलिन बस्ती के स्थान पर सेवा बस्ती शब्द का प्रयोग इसी सोच के साथ शुरू किया कि इन क्षेत्रों को अभावों से जोड़कर देखने के बजाय सेवा और सामाजिक दायित्व के केंद्र के रूप में देखा जाए। उन्होंने बताया कि सेवा भारती से जुड़ी संस्थाएं देशभर में करीब डेढ़ लाख छोटे-बड़े सेवा कार्य संचालित कर रही हैं। इन कार्यों में स्वयंसेवकों के साथ समाज के अनेक लोग भी योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि समाज में सेवा के लिए आर्थिक सहयोग देने और प्रत्यक्ष भागीदारी करने वाले लोगों की कमी नहीं है। जरूरत इस सामर्थ्य और सेवा भाव को जाग्रत करने की है। होसबाले ने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराना सेवा का एक पक्ष है। दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष जरूरतमंदों को यह विश्वास दिलाना है कि वे भी समाज को कुछ दे सकते हैं। प्रत्येक व्यक्ति में ईश्वर का वास है। इसलिए हर व्यक्ति को सम्मान और आत्मविश्वास के साथ जीने का अवसर मिलना चाहिए। महर्षि वाल्मीकि की जयंती का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भगवान राम ने केवट, शबरी और गिलहरी के प्रति स्नेह दिखाकर समाज के हर व्यक्ति के महत्व को स्थापित किया। होसबाले ने सेवा सदन में कार्यरत सेवानिवृत्त चिकित्सकों और अन्य कार्यकर्ताओं के सेवाभाव का उदाहरण दिया। उन्होंने बताया कि एक सेवानिवृत्त चिकित्सक प्रतिदिन चार-पांच किलोमीटर दूर से सेवा कार्य के लिए आते हैं। इससे स्पष्ट है कि सेवा के लिए दूरी नहीं, भाव महत्वपूर्ण है। उन्होंने लोगों से सेवा बस्तियों के संस्कार केंद्रों में जाने, बच्चों के साथ समय बिताने और जन्मदिन तथा दीपावली जैसे अवसर उनके बीच मनाने का आग्रह किया। परिवारों को भी ऐसे कार्यों से जोड़ने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आर्थिक सहयोग के साथ प्रत्यक्ष सहभागिता से यह भाव मजबूत होगा कि हम सब एक समाज और भारत माता की संतान हैं। सेवा के माध्यम से इसी एकात्मता को मजबूत करना राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण कार्य है। कार्यक्रम में नवल पीठाधीश्वर संत मुन्ना दास जी खोडा का सान्निध्य रहा। मुख्य अतिथि मंगलम् ग्रुप के निदेशक संजय गुप्ता तथा विशिष्ट अतिथि निखिल जैन और विजेंद्र सिंह तंवर उपस्थित रहे।

देशवासी रामायण में बताए आदर्शों को अपनाकर आगे बढ़ते रहें : राष्ट्रपति मुर्मू



नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु,उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह समेत कई नेताओं ने सोमवार को महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर देशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। राष्ट्रपति ने एक्स पर लिखा,महर्षि वाल्मीकि की ओर से रचित महाकाव्य रामायण से हमें कर्तव्य, सदाचार, निस्वार्थ कर्म, परोपकार, मित्रता,त्याग,धर्म और भक्ति की शिक्षाएं सहज ही प्राप्त हो जाती हैं। इस महान ग्रंथ के शाश्वत मूल्य हमारे जीवन पर अमिट छाप छोड़ते हैं। मेरी कामना है कि सभी देशवासी रामायण में बताए गए आदर्शों को अपनाकर,अपने व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ते रहें। उपराष्ट्रपति ने कहा कि आदिकवि महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण, भारतीय संस्कृति और सभ्यतागत मूल्यों की एक अमूल्य धरोहर है। इसमें निहित सत्य, कर्तव्य, त्याग, करुणा और धर्म के आदर्श आज भी मानवता का मार्गदर्शन करते हैं। उनकी शिक्षाएँ सभी को सदैव नैतिक मूल्यों को अपनाने और एक सौहार्दपूर्ण,संवेदनशील तथा सशक्त समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करती रहेंगी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने रामायण के माध्यम से सत्य, धर्म, सम्मान, कर्तव्य और त्याग जैसे मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाया। महर्षि वाल्मीकि का जीवन सिखाता है कि आत्म-चिंतन, भक्ति और ज्ञान के माध्यम से कोई भी व्यक्ति अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकता है। उनके कार्य और विचार सदैव सभी का मार्गदर्शन करते रहेंगे। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आदिकवि महर्षि वाल्मीकि ने अपनी अमर रचना रामायण के माध्यम से भगवान श्री राम के आदर्शों,सत्य,धर्म और लोक-कल्याण का संदेश जन-जन तक पहुंचाया। उनकी रचनाएं भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं का अमूल्य खजाना हैं। महर्षि वाल्मीकि जी को शत-शत नमन, जो समाज को सदाचार, सद्भाव और एक आदर्श जीवन जीने की प्रेरणा देते हैं। केन्द्रीय गृह एवं सहकारितामंत्री अमित शाह ने कहा कि तप, ज्ञान और करुणा की प्रतिमूर्ति महर्षि वाल्मीकि ने रामायण के माध्यम से मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम जी के जीवन को जन-जन तक पहुंचाया और इस प्रकार पूरी मानवता को कर्तव्य एवं धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। उनके इस अद्वितीय योगदान के लिए मानव समाज सदैव उनका ऋणी रहेगा। विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने कहा कि सत्य, करुणा और नैतिक आचरण पर महर्षि वाल्मीकि की शाश्वत शिक्षाएं सदैव प्रेरित करती रहेंगी। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याणमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि महाकाव्य रामायण के रचयिता, आदिकवि महर्षि वाल्मीकि ने संपूर्ण मानव जाति को मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के आदर्श चरित्र से परिचित कराया।

डोडाचूरा और प्रतिबंधित गोलियों की खेप के साथ बाइक सवार गिरफ्तार



डोडाचूरा के साथ अल्प्राजोलम, ट्रामाडोल और टीपी डोल की गोलियां जब्त, एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज

मंदसौर। नारायणगढ़ पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 5.290 किलोग्राम डोडाचूरा और बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित गोलियां जब्त की हैं। पुलिस ने आरोपी के पास से अल्प्राजोलम, ट्रामाडोल और टीपी डोल की गोलियों के पत्तों के साथ बाइक और मोबाइल फोन भी बरामद किया है। जब्त सामग्री की कुल कीमत 1 लाख 91 हजार 580 रुपए बताई गई है। पुलिस मुख्यालय द्वारा अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तेर सिंह बघेल और अनुविभागीय अधिकारी मल्हारगढ़ पीएस बघेल के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। थाना प्रभारी राजेन्द्र कुमार पवार के नेतृत्व में 25 अक्टूबर को सहायक उपनिरीक्षक बाबूलाल डामोर वाहन चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान नारायणगढ़-पिपलिया मंडी रोड पर सगस बावजी मंदिर के पास बरखेड़ा वीरपुरिया फंटे पर टीवीएस स्पोर्ट्स बाइक क्रमांक [illegible]2375 से जा रहे ताहिद पिता नबी नूर मोहम्मद (40), निवासी रामद्वारा गली, जावद, जिला नीमच को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी में बाइक से 5.290 किलोग्राम पिसा हुआ डोडाचूरा, अल्प्राजोलम टेबलेट के 1200 पत्ते, ट्रामाडोल टेबलेट के 20 पत्ते और टीपी डोल टेबलेट के 75 पत्ते मिले, जिन्हें विधिवत जब्त कर लिया गया। पुलिस के अनुसार जब्त डोडाचूरा की कीमत 10,580 रुपए, अल्प्राजोलम टेबलेट की 1 लाख रुपए, ट्रामाडोल टेबलेट की 6 हजार रुपए, टीपी डोल टेबलेट की 15 हजार रुपए, बाइक की 50 हजार रुपए और रियलमी नार्जो कंपनी के मोबाइल की कीमत 10 हजार रुपए आंकी गई है। आरोपी के विरुद्ध थाना नारायणगढ़ में अपराध क्रमांक 342/26 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15 और 8/22 में प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की गई है। पुलिस आरोपी से जब्त मादक पदार्थों और गोलियों के स्रोत के संबंध में पूछताछ कर रही है। कार्रवाई में थाना प्रभारी राजेन्द्र कुमार पवार सहित नारायणगढ़ पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पहुंचे उज्जैन



राष्ट्रीय गरिमा उज्जैन जिला संवाददाता उज्जैन। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव उज्जैन में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए हेलीकॉप्टर से उज्जैन के सदावल हेलीपैड पहुंचे। यहां जनप्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का पुष्पगुच्छ भेंट कर अगवानी की। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल ,मध्यप्रदेश हाउसिंग बोर्ड अध्यक्ष श ओम जैन,सिंहस्थ मेला प्राधिकरण समिति के अध्यक्ष , उज्जैन विकास प्राधिकरण अध्यक्ष रवि सोलंकी, महापौर मुकेश टटवाल, नगर निगम सभापति कलावती यादव,जिला पंचायत उपाध्यक्ष शिवानी कुंवर, संजय अग्रवाल, डॉ प्रभुलाल जाटवा , संभागायुक्त आशीष सिंह, एडीजी राकेश गुप्ता, कलेक्टर रौशन कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा, एडीएम अत्येंद्र सिंह गुर्जर, श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के प्रशासक प्रथम कौशिक तथा उज्जैन स्मार्ट सिटी सीईओ डॉ नेहा जैन सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

आपदा मित्र प्रशिक्षण के चौथे दिवस 125 स्वयंसेवकों को दिया आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण

बैतूल। मध्यप्रदेश शासन के गृह विभाग एवं मध्यप्रदेश आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देशानुसार होमगार्ड लाइन सोनाघाटी कैंप में आपदा मित्र योजना के अंतर्गत 23 से 29 अक्टूबर तक सात दिवसीय द्वितीय सत्र का प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण के चौथे दिवस 26 अक्टूबर को 125 आपदा मित्र स्वयंसेवकों को विभिन्न आपदाओं से बचाव एवं राहत कार्यों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान स्वयंसेवकों को हवाई हमले की मॉक ड्रिल का अभ्यास कराया गया। साथ ही ड्रोन हमले से संबंधित जानकारी दी गई। आपदा के विभिन्न प्रकारों , बचाव के तरीकों तथा भगदड़ जैसी परिस्थितियों से निपटने के उपाय बताए गए। मंदिरों, मेलों, रैलियों एवं अन्य भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में भगदड़ की स्थिति में सावधानी बरतने, भीड़ के साथ नियंत्रित गति से आगे बढ़ने तथा दोनों हाथों को सामने बॉक्सिंग की स्थिति में रखकर छाती के आसपास जगह बनाए रखने की जानकारी दी गई।

दिल्ली रैली में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचें कांग्रेसजनः अवस्थी

विदिशा। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश एवं मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर आगामी 1 नवंबर 2026 को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित होने वाली महा रैली में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता पूर्व अरुण अवस्थी ने कांग्रेस पदाधिकारियों,कार्यकर्ताओं एवं आम नागरिकों से की है। अरुण अवस्थी ने कहा कि यह महा रैली लोकतंत्र की रक्षा,संविधान की मजबूती तथा जनता के मताधिकार की सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। आज देश में लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता और चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। ऐसे समय में कांग्रेस पार्टी जनता की आवाज को मजबूती से उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि वोट चोर, गद्दी छोड़ और ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दो जैसे नारों के साथ कांग्रेस लोकतांत्रिक मूल्यों एवं निष्पक्ष चुनाव व्यवस्था की रक्षा के लिए अपनी आवाज बुलंद कर रही है। यह लड़ाई किसी व्यक्ति विशेष की नहीं,बल्कि देश के लोकतंत्र और आम नागरिक के वोट के अधिकार की है।

क्षेत्रीय गणित मेलाः अनन्या दीक्षित ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर बढ़ाया जिले का मान, मुरेना लौटने पर हुआ भव्य स्वागत



मुरैना / रायपुर। विद्या भारती मध्यक्षेत्र द्वारा छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में आयोजित दो दिवसीय क्षेत्रीय गणित मेला में अनन्या दीक्षित ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। अनन्या की इस शानदार उपलब्धि से उनके विद्यालय, परिवार और पूरे जिले में हर्ष का माहौल है। गणित प्रदर्शन/मॉडल में दिखाया हुनर अनन्या दीक्षित (पिता - श्री दिलीप दीक्षित) ने प्रतियोगिता के दौरान अपने गणितीय मॉडल व प्रस्तुतिकरण से निर्णयकों को काफी प्रभावित किया। दो दिनों तक चले इस क्षेत्रीय गणित मेले में मध्यक्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के प्रतिभावान विद्यार्थियों ने भाग लिया था, जिनमें कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच अनन्या ने दूसरा स्थान हासिल कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। प्रतियोगिता के समापन समारोह पर आयोजकों द्वारा अनन्या को स्मृति चिह्न (शील्ड) तथा प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।मुरैना आगमन पर हुआ भव्य स्वागत एवं सम्मान रायपुर में सफलता हासिल करने के बाद जब सभी बच्चे वापस मुरैना लौटे, तो रेलवे स्टेशन पर परिजनों और शुभचिंतकों ने उनका जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर सभी बच्चों एवं शिक्षकों को फूल-मालाएं पहनाकर सम्मानित किया गया और मिठाइयां बांटी गईं। स्वागत समारोह के दौरान डॉ. धर्मेन्द्र गुप्ता भी विशेष रूप से मौजूद रहे। उन्होंने सभी बच्चों का उत्साहवर्धन किया और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। विद्यालय परिवार, आचार्यों, परिजनों तथा शुभचिंतकों ने अनन्या और सभी प्रतिभागी बच्चों की इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उत्थान व भविष्य की कामना की है।

नारायणगढ़ में नकबजनी के दो आरोपी गिरफ्तार, तीन वारदातों का खुलासा; जेवर और 20 हजार रुपए बरामद

नीमच जिले के हाड़ी पिपलिया के रहने वाले हैं दोनों आरोपी, चार अन्य की तलाश जारी



मंदसौर। नारायणगढ़ पुलिस ने नकबजनी की घटनाओं की जांच करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में आरोपियों ने अपने साथियों के साथ मिलकर तीन अलग-अलग स्थानों पर चोरी की वारदातों को अंजाम देना कबूल किया है। आरोपियों की निशानदेही पर चांदी के जेवर, सोने के मोती लगे पोची और 20 हजार रुपए नकद बरामद किए गए हैं। मामले में चार अन्य आरोपी फरार हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 20 जनवरी 2026 को नारायणगढ़ निवासी आशीष चौहान ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि दिन में अज्ञात बदमाश उनके घर में घुसकर पुराने सोने-चांदी के जेवर चुरा ले गए। यह घटना नारायणगढ़ के कुम्हारों की गुवाड़ी, वार्ड क्रमांक 7 में हुई थी। इस मामले में थाना नारायणगढ़ पर अपराध क्रमांक 23/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 331(4) और 305(ए) में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। इसके बाद 10 अक्टूबर 2026 को हिंगोरिया छोटा निवासी जीवन सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि रात करीब 3 से 4 बजे के बीच अज्ञात बदमाश उनके घर से सोने-चांदी के जेवर चोरी कर ले गए। इस मामले में अपराध क्रमांक 312/26 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। दोनों मामलों में आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस की अलग-अलग टीमें गठित की गई थीं। इसी दौरान 24 अक्टूबर को उपनिरीक्षक भारत भाबर ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए प्रदीप उर्फ हनिश पिता हरिशचन्द्र उर्फ हरचंद सिंगावत (21) और परवेश उर्फ परवेज पिता प्रकाश मालवीय (20), दोनों निवासी हाड़ी पिपलिया, थाना मनासा, जिला नीमच को हिरासत में लिया। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में दोनों ने हिंगोरिया छोटा में अपने साथियों के साथ चोरी करना कबूल किया। प्रदीप उर्फ हनिश ने अपने साथियों के साथ 20 जनवरी को नारायणगढ़ कस्बे में तथा 19-20 सितंबर 2026 को नई आबादी थाना क्षेत्र के गांव उदपुरा में भी चोरी की वारदात करना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर तीन जोड़ी चांदी की पायजेब, तीन जोड़ी चांदी की बिछिया, एक जोड़ी चांदी के कड़े, सोने के मोती लगे दो जोड़ी पोची और 20 हजार रुपए नकद जब्त किए हैं। मामले में सुरेन्द्र पिता शम्भुलाल मालवीय, निक्की पिता श्यामलाल मालवीय और राजीव उर्फ राजू पिता सुरेश मालवीय, सभी निवासी हाड़ी पिपलिया, थाना मनासा, जिला नीमच, तथा अभिषेक डाबर निवासी बर्डिया, थाना मनासा, जिला नीमच की तलाश जारी है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तेर सिंह बघेल और मल्हारगढ़ अनुविभागीय अधिकारी पी.एस. बघेल के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी निरीक्षक राजेन्द्र कुमार पवार के नेतृत्व में की गई। कार्रवाई में नारायणगढ़ थाना प्रभारी सहित पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही।

उज्जैन जिला चिकित्सालय चरक भवन में स्वच्छता अभियान के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित



राष्ट्रीय गरिमा उज्जैन जिला संवाददाता। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विक्रम रघुवंशी के मार्गदर्शन एवं सिविल सर्जन डॉ. संगीता पलसानिया के निर्देशन में जिला चिकित्सालय उज्जैन (चरक भवन) में स्वच्छता अभियान के अंतर्गत विभिन्न स्वच्छता संबंधी गतिविधियाँ आयोजित की गईं। अभियान के दौरान अस्पताल परिसर में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने, संक्रमण नियंत्रण सुनिश्चित करने तथा मरीजों एवं उनके परिजनों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियाँ संचालित की गईं। इसके अंतर्गत अस्पताल परिसर में साफ-सफाई, स्वच्छता शपथ एवं जागरूकता का आयोजन किया गया। साथ ही परिसर में लगे पुराने पोस्टर एवं अनुपयोगी सूचना, शिक्षा एवं संचार (IEC) सामग्री को हटाया गया। अस्पताल के शौचालयों की विशेष सफाई, केंद्रीय निर्जर्मीकरण एवं आपूर्ति विभाग (ष्टस्स्ष्ठ) क्षेत्र की सफाई तथा संक्रमण रोकथाम एवं नियंत्रण (IPC) प्रोटोकॉल के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। अभियान के दौरान अस्पताल की लिफ्ट एवं सभी फ्लोर की डीप क्लीनिंग, पेस्ट कंट्रोल, लॉन्ड्री क्षेत्र की सफाई, बेडसाइड लॉकर एवं खिड़कियों की सफाई, सीढ़ियों एवं नालियों की सफाई सहित अन्य आवश्यक स्वच्छता गतिविधियाँ की गईं। इसकेअतिरिक्त स्वास्थ्यकर्मियों को संक्रमण से बचाव एवं स्वच्छता के निर्धारित मानकों के प्रति जागरूक करने के लिए हैंडवॉश ऑडिट एवं प्रशिक्षण भी आयोजित किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विक्रम रघुवंशी ने बताया कि स्वास्थ्य संस्थानों में स्वच्छता बनाए रखना गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है। अस्पताल में नियमित साफ-सफाई, संक्रमण नियंत्रण के निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन तथा स्वास्थ्यकर्मियों की सक्रिय सहभागिता से मरीजों को सुरक्षित एवं बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराई जा सकती हैं। सिविल सर्जन डॉ. संगीता पलसानिया ने अस्पताल के सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से स्वच्छता व्यवस्था को निरंतर बनाए रखने, निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन करने तथा अस्पताल परिसर को स्वच्छ एवं संक्रमणमुक्त रखने के निर्देश दिए द्य स्वच्छता अभियान के अंतर्गत जिला चिकित्सालय में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना, संक्रमण के जोखिम को कम करना तथा मरीजों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुविधाजनक वातावरण सुनिश्चित करना है। इस अवसर पर जिला चिकित्सालय के संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

अजीत कुमार लोढा के सामाजिक योगदान को सकल जैन समाज ने किया सम्मानित

मंदसौर। सकल जैन समाज ने रविवार को कुशाभाऊ ठाकरे ऑडिटोरियम में आयोजित सम्मान समारोह में स्वर्गीय अजीत कुमार लोढा के सामाजिक योगदान और संगीत के माध्यम से प्रभुभक्ति के प्रसार में उनके कार्यों को याद करते हुए प्रशस्ति पत्र भेंट किया। यह प्रशस्ति पत्र सांसद सुधीर गुप्ता, सकल जैन समाज अध्यक्ष लोकेन्द्र जैन गोटावाला और संयोजक सुरेन्द्र लोढा ने उनके सुपुत्र लोकेन्द्र लोढा, रीता लोढा, पौत्र सीए तनिष्क लोढा तथा डॉ. आशीष खिमेसरा को सौंपा। प्रशस्ति पत्र में लोढा के सामाजिक समर्पण, धार्मिक गतिविधियों में सक्रियता और साधु-संतों की सेवा के प्रति उनकी निष्ठा का उल्लेख किया गया। अध्यक्ष लोकेन्द्र जैन ने कहा कि उनका जीवन त्याग, सेवा, संस्कार और सामाजिक समरसता की प्रेरणा देता है। समाज के प्रति उनका समर्पण सदैव स्मरणीय रहेगा। समारोह में विधायक विपिन जैन, नगर पालिका अध्यक्ष रमादेवी गुर्जर, मनीष सेठी, प्रताप कोठारी, शेखर कासमा, तलेरा, शैलेन्द्र भंडारी, मनोज जैन मारुति सहित समाज के पदाधिकारी एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे। संचालन अंजलि अंकुश जैन ने किया।

राज्य स्तरीय वॉलीबॉल में मंदसौर की बेटियों का जलवा, इंदौर को हराकर बनीं चैंपियन

फाइनल में माधव कन्या विद्यालय को 2-0 से दी शिकस्त, 11 हजार रुपये और ट्रॉफी से हुईं सम्मानित



मंदसौर। राज्य स्तरीय बालिका वॉलीबॉल प्रतियोगिता में मंदसौर की बालिका टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब हासिल किया। इंदौर में 24 और 25 अक्टूबर को चमेली देवी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग इंदौर के तत्वावधान में आयोजित प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में मंदसौर की टीम ने माधव कन्या विद्यालय इंदौर को सीधे सेटों में 2-0 से हराकर ट्रॉफी अपने नाम की। प्रतियोगिता में माधव कन्या विद्यालय इंदौर की टीम उपविजेता रही। मंदसौर की टीम ने प्रतियोगिता में शुरुआत से ही दमदार खेल दिखाया। पहले मुकाबले में द उमिया स्कूल को 2-0 से हराया, जबकि दूसरे मुकाबले में एमजीएम की टीम को भी 2-0 से पराजित किया। सेमीफाइनल में मंदसौर की बालिकाओं का मुकाबला सरस्वती बाल मंदिर देवास की टीम से हुआ, जिसमें उन्होंने 2-1 से जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया। खिताबी मुकाबले में भी टीम ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और माधव कन्या विद्यालय इंदौर को 2-0 से शिकस्त देकर विजेता बनने का गौरव हासिल किया। विजेता टीम को 11 हजार रुपये की पुरस्कार राशि, ट्रॉफी और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। मंदसौर की बालिका टीम की इस उपलब्धि पर जिला वॉलीबॉल एसोसिएशन के संरक्षक अनिल कियावत और अध्यक्ष नरेंद्र सिंह चौहान ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए खिलाड़ियों को बधाई दी। जिला क्रीड़ा अधिकारी घीसालाल जोगचंद सहित खेल विभाग और विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के खेल अधिकारियों ने भी टीम की सफलता पर शुभकामनाएं देते हुए खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

छोटा विज्ञापन
बड़ा लाभ
छोटा विज्ञापन
बड़ा लाभ



क्लासीफाईड विज्ञापन दरें
150/- रूपये प्रतिदिन 25 शब्दों तक
स्कीम
2 दिन के विज्ञापन पर 2 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
5 दिन के विज्ञापन पर 10 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
10 दिन के प्रकाशन पर 20 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
राष्ट्रीय गरिमा समाचार पत्र में विज्ञापन देकर अपने व्यापार को दें नई उड़ान
सम्पर्क करें : 8602000710, 8602000703
मात्र 1500/- रूपये में पूरे एक माह चलायें

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी उपेन्द्र तिवारी द्वारा प्रदेशवॉच मीडिया ग्रुप 11 प्रेस कम्प्लेक्स जोन 1 एमपी नगर भोपाल से मुद्रित एवं बी-14 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक : अभिमन्यु तिवारी,सहायक सम्पादक : शैलेन्द्र तिवारी।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल होगा। (समाचार प्रकाशन के लिये पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार*) आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक 61858/95, मो. 8602000710 , 8602000701

दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
शुभ प्रभात
www.rashtriyagarima.com
भोपाल, मंगलवार 27 अक्टूबर 2026

श्री राम मन्दिर में एक नवम्बर से बदलेगी पूजा दर्शन की दिनचर्या

अयोध्या। श्रीरामजन्मभूमि मन्दिर में विराजमान श्रीरामलला की दैनिक पूजा, आरती, भोग, विश्राम एवं दर्शन की समय-सारणी में ऋतु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए संशोधन किया गया है। यह परिवर्तन अगले माह एक नवंबर से अमल में लाया जाएगा। वर्तमान श्रीरामजन्मभूमि मन्दिर के पट प्रातः 3.45 बजे खुलते हैं और रात्रि 10.30 बजे बन्द होते हैं। एक नवंबर से लागू की जा रही नयी दिनचर्या में यह समय क्रमशः प्रातः 4 बजे और रात्रि 10 बजे होगा।

पहाड़ों पर बर्फबारी से घुसपैठ के पारंपरिक रास्ते बंद,बढ़ी सतर्कता

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी के बाद नियंत्रण रेखा (एलओसी) से घुसपैठ के पारंपरिक रास्ते बर्फ से ढक चुके हैं। इसके बाद में अंतरराष्ट्रीय सीमा के जरिए घुसपैठ की आशंकाओं को देखकर सुरक्षा बलों ने निगरानी बढ़ा दी है। सर्दियों में सीमा पार से घुसपैठ की कोशिशों को नाकाम करने के लिए विंटर बॉर्डर मैनेजमेंट प्रोग्राम तैयार किया है। इसके तहत आधुनिक उपकरणों की तैनाती के साथ जवानों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। सूत्रों के मुताबिक,योजना को कई चरणों में लागू किया जाएगा।

अयोध्या से परशुराम कुंड तक निकलेगी आमंत्रण रथयात्रा,4 दिसंबर से होगा शुभारंभ

कोलकाता में विप्र फाउंडेशन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की विशेष बैठक में निर्णय

कोलकाता। अरुणाचल प्रदेश स्थित श्री परशुराम कुंड में स्थापित भगवान परशुराम की 51 फुट ऊंची प्रतिमा के अनावरण समारोह की तैयारियों को गति देने के लिए विप्र फाउंडेशन देशव्यापी आमंत्रण रथयात्रा निकालेगा। यह यात्रा 04 दिसंबर 2026 को अयोध्या से शुरू होकर 24 दिसंबर को श्री परशुराम कुंड पहुंचेगी। इसके माध्यम से देश के विभिन्न हिस्सों में श्रद्धालुओं को प्रतिमा के अनावरण समारोह में शामिल होने का निमंत्रण दिया जाएगा। प्रतिमा का अनावरण जनवरी-फरवरी 2027 में प्रस्तावित है। समारोह



की अंतिम तिथि संबंधित अधिकारियों से चर्चा के बाद घोषित की जाएगी। रथयात्रा और अनावरण की तैयारियों को लेकर विप्र फाउंडेशन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की विशेष बैठक कोलकाता के ईएम बाईपास स्थित स्प्रिंग क्लब में हुई। राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्यनारायण श्रीमाली की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में देशभर से 150 से अधिक पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य और विशेष आमंत्रित शामिल हुए। उपस्थिति पंजिका में 147 प्रतिनिधियों के हस्ताक्षर दर्ज किए गए। बैठक का ऑनलाइन प्रसारण भी किया गया। संगठन महामंत्री डॉ सुनील शर्मा ने बैठक का संचालन किया। इसमें संस्थापक सुशील ओझा, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष बनवारीलाल सोती, धर्मनारायण जोशी और राधेश्याम शर्मा 'गुरुजी' सहित संगठन के विभिन्न पदाधिकारी उपस्थित रहे। विप्र चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ विजय बसोतिया और इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर परशुराम कॉन्शसनेस की चेयरपर्सन डॉ हर्षा त्रिवेदी ने भी भाग लिया। बैठक का आयोजन विप्र फाउंडेशन के जोन-7 (कोलकाता) ने जोनल अध्यक्ष किशन गोस्वामी के नेतृत्व में किया। बैठक में परशुराम मूर्ति स्थापना समिति का पुनर्गठन करते हुए धर्मनारायण जोशी को चेयरमैन, परमेश्वर शर्मा को अध्यक्ष और रमेश शर्मा को संयोजक मनोनीत किया गया। समिति में आठ अन्य पदाधिकारी भी शामिल किए गए हैं। वहीं, संगठन के कार्यों और गतिविधियों की निगरानी के लिए अनुशासन उच्चाधिकार समिति गठित की गई। राधेश्याम शर्मा को इसका अध्यक्ष और श्रीकांत पाराशर को संयोजक बनाया गया। डॉ. विजय बसोतिया, अशोक पारीक, महावीर प्रसाद शर्मा, कुलदीप व्यास, जितेंद्र कुमार भारद्वाज, लोकेश शर्मा, बनवारीलाल सेवदा, रामनारायण भैरवलाल शर्मा और हरिनारायण व्यास समिति के सदस्य होंगे। बैठक में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा भी तय की गई। इसके तहत 17 से 23 दिसंबर 2026 तक गुवाहाटी में ब्रह्मपुत्र भागवत महोत्सव आयोजित होगा। परशुराम कुंड में 13 से 15 जनवरी 2027 तक मकर संक्रांति मेले के साथ राहत शिविर लगाया जाएगा। इसके अलावा 14 मार्च 2027 को गणेश जीमण का आयोजन प्रस्तावित है। राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्यनारायण श्रीमाली ने कहा कि परशुराम कुंड में प्रतिमा की स्थापना देशभर के समाजबंधुओं के विश्वास और सहयोग का परिणाम है।

चुनावी लक्ष्य नहीं,बल्कि छत्तीसगढ़ की अस्मिता,विकास का संकल्प : स्मृति इरानी

भाजपा प्रदेश प्रभारी स्मृति इरानी के छत्तीसगढ़ दौरे में सांगठनिक रणनीति पर हुई मंथन

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी ने छत्तीसगढ़ में 'मिशन-2028' को लेकर सांगठनिक गतिविधियां तेज कर दी हैं। भाजपा की राष्ट्रीय महामंत्री एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी स्मृति इरानी ने राजधानी रायपुर स्थित कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में पार्टी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों तथा निगम-मंडल एवं आयोगों के अध्यक्षों के साथ विभिन्न चरणों में बैठकें कर संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा की और आगामी रणनीति पर चर्चा की। स्मृति इरानी ने कहा कि भाजपा की रीति-नीति सांगठनिक अनुशासन, आंतरिक लोकतंत्र और कार्यकर्ताओं के निःस्वार्थ परिश्रम पर आधारित है। पार्टी शुचिता, सादगी और राजनीतिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पार्टी के प्रत्येक कार्यक्रम का क्रियान्वयन जमीनी स्तर पर शत-प्रतिशत दिखाई देना चाहिए। उन्होंने 'मिशन-2028' को केवल चुनावी लक्ष्य नहीं, बल्कि



छत्तीसगढ़ की अस्मिता, विकास और सुशासन की पुनर्प्रतिष्ठा का संकल्प बताया। उन्होंने विश्वास जताया कि भाजपा कार्यकर्ताओं के परिश्रम और संगठन की मजबूती के बल पर आगामी विधानसभा चुनाव में पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में वापसी करेगी। प्रदेश प्रभारी ने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने और जनसेवा के संकल्प के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि चुनाव केवल मतपत्रों या मशीनों से नहीं जीते जाते, बल्कि कार्यकर्ताओं के पसीने, जनता के साथ आत्मीय जुड़ाव और संगठन के सुदृढ़ तंत्र से जीत हासिल होती है। उल्लेखनीय है कि भाजपा प्रदेश प्रभारी स्मृति इरानी और राष्ट्रीय मंत्री एवं प्रदेश सह-प्रभारी सिद्धार्थ शम्भू के रविवार को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर पहुंचने पर पार्टी की ओर से सादगीपूर्ण स्वागत किया गया। बड़े फ्लेक्स और पोस्टरों के अनावश्यक प्रदर्शन से बचते हुए पार्टी के ध्वजों के माध्यम से दोनों नेताओं का स्वागत किया गया। प्रदेश भाजपा कार्यालय पहुंचने पर स्मृति इरानी ने परिसर स्थित 'स्मृति मंदिर' में भारत माता और पार्टी के पितृ-पुरुषों की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। दौरे के पहले दिन सुबह 11 बजे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम 'मन की बात' के श्रवण के साथ कार्यक्रमों की शुरुआत हुई। इसके बाद प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश महामंत्री (संगठन) और प्रदेश महामंत्रियों के साथ संगठनात्मक विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक में पार्टी के कामकाज की समीक्षा कर आगामी रणनीति के संबंध में दिशा-निर्देश दिए गए। इसके बाद संभाग प्रभारियों, सह-प्रभारियों, जिला प्रभारियों, सह-प्रभारियों और जिला अध्यक्षों की संयुक्त समन्वय बैठक हुई। दोपहर बाद पूर्व सांसदों एवं पूर्व विधायकों सहित अनुभवी पूर्व जनप्रतिनिधियों के साथ परामर्श किया गया। पूर्व प्रदेश पदाधिकारियों के साथ भी संगठनात्मक विषयों पर चर्चा हुई। दिन के अंतिम चरण में निगम-मंडल एवं आयोगों के अध्यक्षों के साथ बैठक कर आगामी लक्ष्यों पर विचार-विमर्श किया गया।

1000 साल बाद देश के भाग्य को बदलने का अवसर आया है : अरुण कुमार

अशोक सिंघल की जन्मशताब्दी के उपलक्ष्य में जम्मू में कार्यक्रम को किया संबोधित

जम्मू। विश्व हिंदू परिषद जम्मू कश्मीर ने पूर्व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सिंघल की जन्मशताब्दी के उपलक्ष्य में पुलिस ऑडिटोरियम जम्मू में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह-सरकार्यवाह अरुण कुमार ने कहा कि अशोक जी का जीवन ऐसा था जिसमें बनने की कोई इच्छा नहीं थी। जीवन के अंदर करना ही करना यही मन का भाव था। उन्होंने बनने का सोचा नहीं दायित्वों के बारे में जो काम मिल गया वे उसको करते चले गए। वे संघ के स्वयंसेवक बने,जैसा-जैसा संघ कहता गया वैसा-वैसा वो करते चले गए। इसी भाव को मन में लेकर सारे देश के अंदर 1000 साल बाद इस देश के भाग्य को बदलने का एक अवसर आया है। उस 40 पीढ़ी के लोगों ने बलिदान दिए, जो कष्ट सहे उन सबका स्मरण करते हुए हम सब लोग उनके बलिदान, उनके कष्ट व्यर्थ न जाए, एक सौभाग्य का अवसर जो हमको प्राप्त हुआ है उसके लिए कैसे जीवन जीना तो माननीय अशोक जी का जीवन हम सबके लिए एक प्रेरणा का स्रोत है। उनके जीवन से प्रेरणा लेकर अपने-अपने जीवन को तराशते हुए हम राष्ट्र निर्माण के इस महत्वपूर्ण कालखंड के अंदर अपनी भूमिका अदा करें। उन्होंने कहा कि एक हजार साल से जो शक्तियां हमसे लड़ रही थीं, धीरे धीरे करके



उनको ध्यान में आना शुरू हुआ कि अब उनका वर्चस्व नहीं रहेगा। दो शक्तियां जिसकी चर्चा हुई, पिछले सौ साल में दुनिया के अंदर दो विचार और बड़े वो कम्युनिज्म का और ग्लोबल मार्केट फोर्सेस का। ये सारी शक्तियों को ध्यान में आ गया कि असली चुनौती भारत के अंदर है और इन सब लोगों को ध्यान में आ गया कि अकेले-अकेले हम लड़ नहीं सकते तो मिलकर लड़ेंगे। सारे देश के अंदर 1 हजार साल बाद ये जो हिंदुत्व का भाव जगा है, समाज देश के लिए जीने की इच्छा जगी है, अपने समाज की कमियों को दूर करके एक समरस समाज बनाने का जो भाव जगा है, भारत राष्ट्र का एक मजबूत राष्ट्र के रूप में, देशभक्ति के आधार पर देश खड़ा करने का वातावरण बना है, इसको सब ने टारगेट करना शुरू किया। सारे देश के अंदर हम देखते हैं कि मीडिया,सोशल मीडिया,इस सबके माध्यम से इस हिंदुत्व के वातावरण को कमजोर करने का प्रयास हो रहा है।

गठबंधन के जाल में फंसी भाजपा, अकेले लड़ने की अंदरूनी मांग तेज़

पंजाब विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा नेता रणनीति बनाने में जुटे

चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा इस बार जहां अपने लिए बेहतर संभावनाएं देख रही है, वहीं गठबंधन को लेकर उसकी उलझनें बरकरार हैं। कांग्रेस के कई बड़े नेताओं के पार्टी में शामिल होने और सिख नेतृत्व पर जोर देने से उत्साहित भाजपा के भीतर अब अकेले चुनाव लड़ने की मांग भी जोर पकड़ रही है। पार्टी का एक वर्ग मानता है कि भविष्य के लिए राज्य में अपने को सभी क्षेत्रों और सभी वर्गों में स्थापित करने के लिए अकेले चुनाव लड़ना बेहतर होगा। अगले एक माह में भाजपा राज्य में व्यापक फीडबैक हासिल करेगी और उसके बाद ही कोई अंतिम फैसला लेगी। सूत्रों के अनुसार,भाजपा नेतृत्व का मानना है कि पंजाब में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी सरकार के



खिलाफ सत्ता विरोधी माहौल है, जबकि मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस में एकजुटता का अभाव है। ऐसे में यदि भाजपा जोर लगाए तो उसे बड़ी सफलता मिल सकती है। पार्टी ने बीते वर्षों में नई रणनीति से अपने परंपरागत समर्थक शहरी और हिंदू के साथ सिख समुदाय पर भी काफी जोर दिया है। केंद्रीय राजनीति में सिख नेताओं को अहमियत देने के साथ,पार्टी ने इस बार पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह, रवनीत सिंह बिट्टू, केवल सिंह ढिल्लो और सुनील जाखड़ जैसे प्रमुख कांग्रेस नेताओं को अपने साथ जोड़ा है। जाखड़ उसके प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं,और रवनीत सिंह बिट्टू को पार्टी राज्य में एक प्रमुख सिख नेता के रूप में उभार रही है। इससे गठबंधन न होने पर भी भाजपा मुकाबले को चतुष्कोणीय बना सकती है। पार्टी के भीतर इस समय दो तरह के मत चल रहे हैं। एक वर्ग का मानना है कि शिरोमणि अकाली दल को लेकर अब नाराजगी कम हुई है और भाजपा को गठबंधन कर सिख वोटों के बड़े हिस्से को साधना चाहिए। वहीं, दूसरा वर्ग मानता है कि पार्टी ने बीते वर्षों में प्रदेश में जो माहौल बनाया है, गठबंधन से वह खत्म हो जाएगा। इस वर्ग का तर्क है कि चूंकि इस बार सभी चारों प्रमुख दल सिख चेहरे की राजनीति करेंगे,इसलिए सिख मतों के बंटवारे में भाजपा को अपने गैर-सिख समर्थकों को साधे रखना ही काफी होगा।

पटना एयरपोर्ट पर मनमाने ढंग से नहीं बदलेंगे बोर्डिंग गेट, लगेज बेल्ट होंगे तय



शीतकालीन समय-सारणी लागू होने के साथ नई व्यवस्था,बतानी होगी ठोस वजह

पटना। पटना एयरपोर्ट पर अब विमानों के बोर्डिंग गेट और लगेज बेल्ट में अंतिम समय पर बदलाव करना आसान नहीं होगा। शीतकालीन उड़ान समय-सारणी लागू होने के साथ ही एयरपोर्ट प्रशासन ने इस संबंध में नए निर्देश जारी किए हैं। नई व्यवस्था के तहत उड़ानों की समय-सारणी के साथ उनके बोर्डिंग गेट और लगेज बेल्ट भी पहले से निर्धारित किए जाएंगे। किसी अपरिहार्य कारण से बोर्डिंग गेट बदलने की जरूरत पड़ने पर संबंधित एयरलाइन को इसकी ठोस वजह बतानी होगी। दरअसल,अंतिम समय में बोर्डिंग गेट बदलने से यात्रियों को एक गेट से दूसरे गेट तक भागदौड़ करनी पड़ती है। इससे सबसे अधिक परेशानी बुजुर्गों, बच्चों और उनके साथ यात्रा करने वाले परिजनों को होती है। कई बार यात्रियों को समय पर जानकारी नहीं मिलने से उनकी मुश्किलें और बढ़ जाती हैं। यात्रियों की इन समस्याओं को देखते हुए एयरपोर्ट प्रशासन ने गेट में अनावश्यक बदलाव पर नियंत्रण रखने की पहल की है। इससे यात्रियों को उड़ान पकड़ने और सामान प्राप्त करने में होने वाली असुविधा कम होने की उम्मीद है। एयरपोर्ट परिसर में चल रहे निर्माण कार्यों को देखते हुए अगले आदेश तक बोर्डिंग गेट संख्या 12ए को बंद रखने का निर्णय लिया गया है। ऐसे में यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे एयरपोर्ट पहुंचने के बाद अपनी उड़ान से संबंधित गेट की जानकारी डिस्प्ले बोर्ड और एयरलाइन के माध्यम से प्राप्त करते रहें, ताकि अंतिम समय में किसी तरह की परेशानी न हो। पटना एयरपोर्ट से शीतकालीन समय-सारणी के शुरुआती चरण में रविवार से नई व्यवस्था प्रभावी हुई। इसके तहत 30 नवंबर तक प्रतिदिन 40 जोड़ी उड़ानों का संचालन किया जाएगा। इस अवधि में छह नई उड़ान सेवाएं भी शुरू होंगी। इससे पटना की हवाई कनेक्टिविटी को विस्तार मिलने की उम्मीद है। नई समय-सारणी के तहत पुणे, अहमदाबाद, बेंगलुरु, मुंबई, हैदराबाद और चंडीगढ़ के लिए हवाई सेवाओं में बढ़ोतरी की जाएगी। इसके साथ ही पटना एयरपोर्ट से कुल 14 शहरों के लिए हवाई संपर्क निर्धारित किया गया है। उड़ानों की नई समय-सारणी से यात्रियों को विभिन्न शहरों के लिए यात्रा के अधिक विकल्प मिलने की संभावना है। नई समय-सारणी के अनुसार, पटना एयरपोर्ट पर सुबह की पहली उड़ान दिल्ली से इंडिगो की फ्लाइट संख्या 6ई-6245 होगी। यह विमान सुबह आठ बजे पटना पहुंचेगा और सुबह 8.35 बजे दिल्ली के लिए रवाना होगा। एयरपोर्ट प्रशासन की नई व्यवस्था का उद्देश्य उड़ानों के संचालन को अधिक व्यवस्थित बनाना और यात्रियों को अनावश्यक भागदौड़ से बचाना है। बोर्डिंग गेट और लगेज बेल्ट पहले से निर्धारित रहने तथा बदलाव के लिए ठोस कारण बताने की व्यवस्था से यात्रियों को बेहतर सुविधा मिलने की उम्मीद है।

आगरा में 27 और 28 अक्टूबर को राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर होगा महामंथन

आगरा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप शिक्षकों के पेशेवर मानकों, शिक्षण क्षमता और विद्यालयी शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से आगरा में आगामी 27 और 28 अक्टूबर को दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) के तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस सम्मेलन में विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के करीब 300 शिक्षक, प्राचार्य और शिक्षा क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधि भाग लेंगे। सम्मेलन के संयोजक प्रोफेसर मनु प्रताप सिंह ने रविवार को बताया कि कार्यक्रम का आयोजन आगरा विश्वविद्यालय के खंदारी परिसर स्थित शिवाजी मंडपम में किया जाएगा। इसमें उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल प्रमुख रूप से शामिल होंगी। उन्होंने बताया कि सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों के अनुरूप शिक्षक शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, शिक्षकों के पेशेवर विकास और विद्यालयों में प्रभावी शिक्षण व्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श करना है। प्रोफेसर सिंह के अनुसार,सम्मेलन के पहले दिन 27 अक्टूबर को एनसीटीई के अध्यक्ष प्रोफेसर पंकज अरोड़ा प्रतिभागियों से संवाद करेंगे।

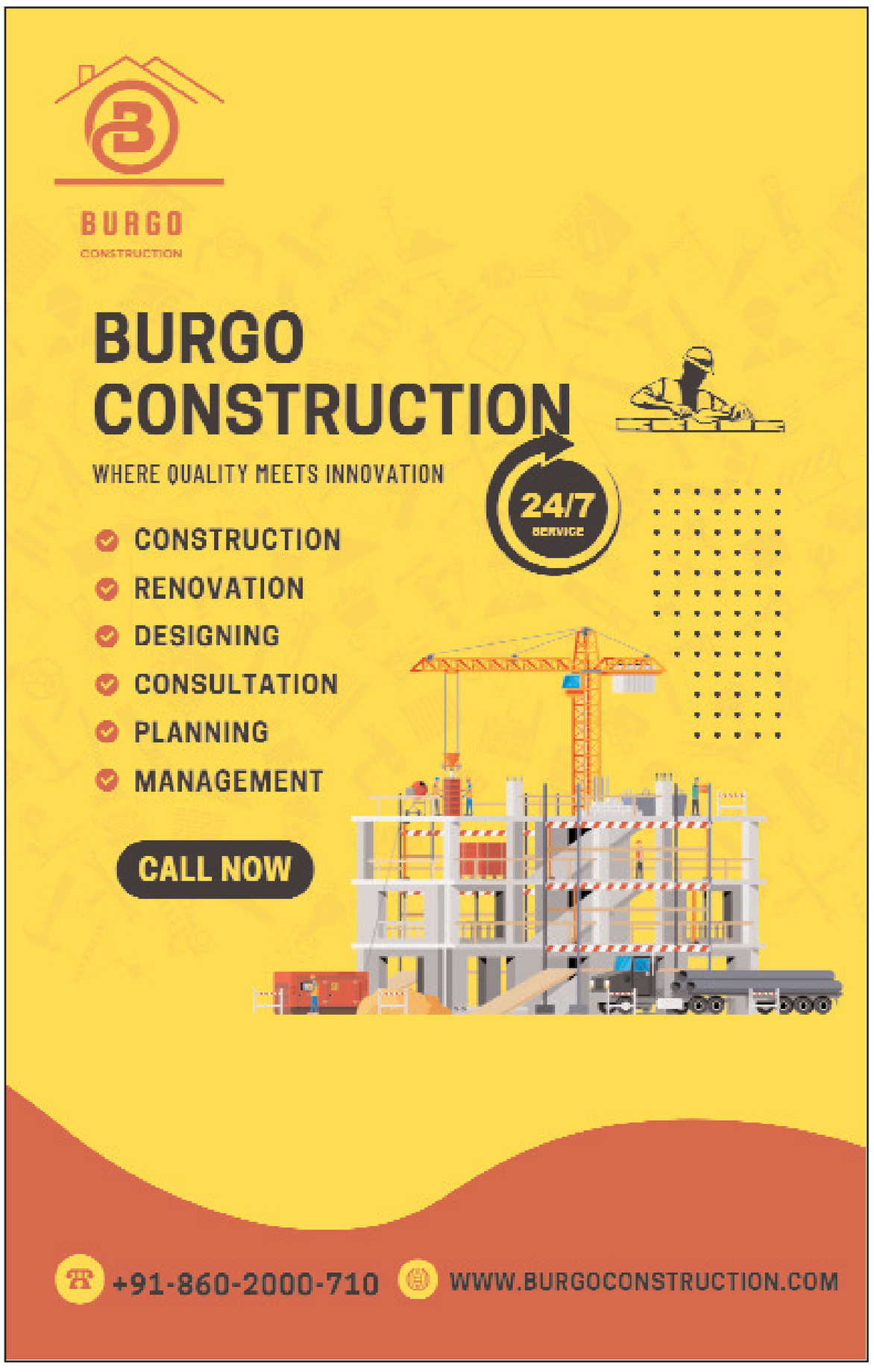

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, मंगलवार 27 अक्टूबर 2026
www.rashtriyagarima.com

सम्पादकीय

रस्म-अदायगी का बोध

विपक्षी दल वोट चोरी के सवाल पर पहल अपने हाथ में लेने से हिचक गए हैं। इसके बदले उन्होंने खुद को प्रतिरोध जताने और न्यायपालिका की पनाह में जाने के पारंपरिक तौर-तरीकों तक सीमित रखा है। पहले कांग्रेस कार्य समिति और फिर इंडिया गठबंधन की बैठक में जो तय हुआ, उसका सार है कि विपक्षी दल वोट चोरी के सवाल पर पहल अपने हाथ में लेने से हिचक गए हैं। इसके बदले उन्होंने खुद को प्रतिरोध जताने और न्यायपालिका की पनाह में जाने के पारंपरिक तौर-तरीकों तक सीमित रखा है। इस सवाल पर उनमें कितनी उलझन या अनमनापन है, वह कांग्रेस कार्य समिति के मांग-पत्र से जाहिर हुआ। उसमें पहली मांग मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की रखी गई तथा चौथी एवं आखिरी मांग प्रधानमंत्री के इस्तीफे की! अगर किसी मुद्दे पर किसी पार्टी को प्रधानमंत्री का इस्तीफा मांगने की जरूरत महसूस होती है, तो स्पष्टत: यह उसकी सर्वोपरि मांग होगी। इसीलिए प्रमुख विपक्षी दल ने जिस रूप में अपनी मांगें रखीं, उससे रस्म-अदायगी का बोध ज्यादा हुआ। उधर इंडिया गठबंधन ने प्रतिरोध मार्च, निर्वाचन आयोग तक सांसदों का जुलूस, और एक नवंबर को दिल्ली में विशाल रैली के आयोजन के पहले चार अन्य रैलियां करने का एलान किया है। इसके अलावा चुनाव प्रक्रिया को स्वच्छ बनाने के लिए हस्तक्षेप करने की गुजारिश करते हुए उसने सुप्रीम कोर्ट में याचिका देने का भी निर्णय लिया है। लेकिन इनमें कोई ऐसा कदम नहीं है, जिसे विपक्ष ने पहले ना आजमाया हो। यह उम्मीद रखने का शायद ही कोई आधार है कि इस बार उसके कार्यक्रमों को पहले से ज्यादा जन समर्थन मिलेगा। अधिक संभावना यही है कि उसका सारा विरोध औपचारिकता के दायरे में बंधा रह जाएगा। दरअसल, विपक्षी दल यह संदेश देने में भी नाकाम हैं कि वोट चोरी के मुद्दे वे सभी समान धरातल पर हैं। अरविंद केजरीवाल और अखिलेश यादव ने ज्ञानेश कुमार को निशाना बनाने से असहमति जताई है। उनकी दलील है कि मोदी सरकार को सत्ता से हटा दिया जाए, तो सभी संस्थाएं स्वत: ठीक हो जाएंगी। लेकिन यह एक ठोस मुद्दे को अति तरल या हवाई बना देना है, जिससे किसी जन आंदोलन की पृष्ठभूमि तैयार नहीं होती। मोदी सरकार को हटाने की बात चुनावी गणित और समीकरणों के दायरे में चली जाती है, जिसका मौजूदा विवाद के सिलसिले में उल्लेख अतार्किक है।

विपक्ष की विश्वसनीयता का संकट

रजनीश अग्रवाल



भारत में विपक्ष आज गंभीर विश्वसनीयता के संकट से गुजर रहा है। लगातार जिस प्रकार के विषय, विचार और मुद्दे विपक्ष उठा रहा है, वे न तो तर्कसंगत हैं और न ही तथ्यपरक। आम आदमी की बुनियादी सुविधाओं से लेकर आकांक्षी भारत की अपेक्षाओं और देश की नीतिगत चुनौतियों तक, विपक्ष प्रभावी भूमिका में दिखाई नहीं देता। जनता के वास्तविक प्रश्नों पर ठोस विकल्प देने के बजाय वह नैरेटिव की ऐसी आभासी लड़ाई में उलझा है, जिसकी बुनियाद कई बार तथ्यों से अधिक मात्र राजनीतिक आरोपों पर दिखाई देती है।लोकतंत्र में सरकारों की समीक्षा बहुत होती है लेकिन विपक्ष की नहीं।देश ने विपक्ष को संवैधानिक भूमिका सौंप रखी है। विपक्ष अपनी इस जिम्मेदारी से भाग नहीं सकता । संकट तब और गहरा जाता है जब अपनी यह भूमिका निभाना तो दूर बल्कि विपक्ष का नेतृत्व हठधर्मी हो जाए एवं उसपर सामंती अहंकार सवार हो।देश को अराजकता पर धकेलने का प्रयास होता है। स्वतंत्रता के बाद लंबे समय तक कांग्रेस स्वयं या विभिन्न दलों के समर्थन से केंद्र की सत्ता में रही। देश की आर्थिक नीतियों, बजट, प्रशासनिक व्यवस्था और विकास की दिशा तय करने में उसकी निर्णायक भूमिका रही। बीच में गैर-कांग्रेसी सरकारें भी आईं, लेकिन कई दशकों तक राष्ट्रीय राजनीति में कांग्रेस का प्रभुत्व रहा। इसलिए उसके लंबे शासन की उपलब्धियों के साथ उसकी विफलताओं और नीतिगत निर्णयों की जवाबदेही से भी उसे बचाया नहीं जा सकता। समय के साथ भ्रष्टाचार के आरोप, प्रशासनिक अकर्मण्यता, नीतिगत असमंजस और नेतृत्व से जुड़े प्रश्न राजनीतिक विमर्श के केंद्र में आए। जनता के बीच असंतोष बढ़ा और कांग्रेस का राजनीतिक आधार कमजोर होता गया। 2014 में इस असंतोष ने निर्णायक रूप लिया। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने स्पष्ट बहुमत प्राप्त किया और केंद्र में भाजपा नीत सरकार बनी। यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं था, बल्कि लंबे समय से चली आ रही राजनीतिक व्यवस्था के प्रति जनता के बदलते रुझान का स्पष्ट संकेत था। यहीं से विपक्ष के सामने आत्ममंथन का अवसर था। चुनावी पराजय के कारणों को समझना, संगठन और नेतृत्व की कमियों को स्वीकार करना तथा जनता के सामने नई नीतियों और नए विकल्प के साथ जाना किसी भी लोकतांत्रिक दल का स्वाभाविक रास्ता होना चाहिए। विपक्ष के एक हिस्से ने इसके बजाय चुनावी जनादेश पर ही प्रश्न उठाने शुरू कर दिए। माइनॉरिटेरियन डेमोक्रेसी, पोस्ट ट्रुथ पॉलिटिक्स, मेनूफ्रैक्चरड वेब जैसे शब्द गढ़ कर 2014 के जनादेश को झुठलाने का प्रयास हुआ। बाद में ईवीएम के बहाने नए जनादेश को ग़लत बताया जाने लगा। चुनाव प्रक्रिया पर प्रश्न उठाना लोकतांत्रिक अधिकार है लेकिन गंभीर आरोपों को प्रमाणित करना भी उतना ही आवश्यक है। निर्वाचन आयोग ने ईवीएम में कथित छेड़छाड़ को प्रदर्शित करने का अवसर राजनीतिक दलों को दिया। इसके बावजूद आज तक ऐसा कोई प्रमाणित मामला सामने नहीं आया जिसने यह सिद्ध किया हो कि देश के चुनावों में ईवीएम के माध्यम से व्यवस्थित रूप से जनादेश बदला गया। वीवीपीएटी और मतगणना की निर्धारित प्रक्रियाएँ चुनावी सत्यापन का हिस्सा हैं। क्या आज तक किसी भी मतदान केंद्र पर ईवीएम की गणना और वीवीपेट पर्ची की गणना में कोई अंतर पाया गया ? क्या इस बारे में कोई इसे गलत ठहराते हुए किसी प्रकरण पर न्यायालय ने कोई निर्णय दिया है ? प्रश्न ईवीएम पर सवाल उठाने का नहीं, बल्कि उस सवाल को प्रमाणित करने का है। किसी आरोप को लगातार दोहराने से वह तथ्य नहीं बन जाता। लोकतंत्र में संदेह की जगह है, लेकिन संदेह को प्रमाण का स्थान नहीं दिया जा सकता। अब इस बार चुनाव आयोग को ही संदिग्ध बनाने के कार्य किया जा रहा है। स्क्रैक के बहाने या कभी किसी अख़बार की ख़बर के आधार पर चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर प्रश्न खड़े कर एक संवैधानिक संस्था को बिना किसी साक्ष्य के संदिग्ध बनाकर स्वयं नेतृत्व और अपने दल की घोर पराजय से मुँह छिपाया जा रहा है। यहाँ तक कि इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट को ही कटघरे में खड़ा कर दिया जाता है। विपक्ष की समस्या यहीं समाप्त नहीं होती। सरकार की नीतियों से असहमति उसका लोकतांत्रिक अधिकार और दायित्व है लेकिन केवल विरोध किसी राजनीतिक दल को विकल्प नहीं बनाता। आज का भारत आकांक्षी भारत है। जिसे नरेंद्र मोदी ने समझा है और उस ओर अपनी सरकार के तेजी से कदम बढ़ाये हैं। आज नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चुनावी राजनीति और सरकार का विमर्श बदला है। नागरिक बेहतर सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और सुरक्षा के साथ आधुनिक बुनियादी ढाँचा, तकनीक, निवेश के नए अवसर पर चर्चा करता है। इन प्रश्नों पर विपक्ष की अपनी स्पष्ट नीति और रोडमैप क्या है। यह अधिक महत्वपूर्ण सवाल है। किसी सरकारी योजना को गलत बताने के साथ यह बताना भी जरूरी है कि गलती कहाँ है, उसका समाधान क्या है और सत्ता में आने पर उससे बेहतर क्या किया जाएगा। जनता केवल यह नहीं सुनना चाहती कि सरकार ने क्या गलत किया। वह यह भी जानना चाहती है कि विपक्ष क्या सही करेगा। पिछले एक-डेढ़ दशक में विपक्ष का एक बड़ा हिस्सा सरकार की नीतियों के विकल्प देने के बजाय नैरेटिव की राजनीति में अधिक सक्रिय दिखाई दिया है। चुनाव प्रक्रिया से लेकर संस्थाओं तक अनेक विषयों पर सवाल उठाए गए लेकिन आरोपों को प्रमाण और विरोध को वैकल्पिक नीति में बदलने का प्रयास उतना स्पष्ट नहीं दिखा।कांग्रेस सहित विपक्षी दलों के लिए चुनौती अपने लंबे राजनीतिक अतीत का ईमानदार मूल्यांकन करने, पराजय के कारणों को स्वीकार करने और बदलते भारत की आकांक्षाओं के अनुरूप स्वयं को पुनर्गठित करने की है। भारत को मजबूत विपक्ष चाहिए। ऐसा विपक्ष जो सरकार से कठिन सवाल पूछे, उसकी कमियाँ उजागर करे लेकिन तथ्यों के साथ। ऐसा विपक्ष जो संस्थाओं पर प्रश्न उठाए लेकिन प्रमाण के साथ। ऐसा विपक्ष जो सरकार का विरोध करे तो उसके सामने बेहतर नीति और स्पष्ट विकल्प भी रखे। यह भाजपा ने किया है उन राज्यों में जहाँ विपक्ष में है वहाँ भी यही भूमिका निभा रही है।विपक्ष की असली लड़ाई किसी एक सरकार या किसी एक नेता के विरुद्ध नैरेटिव खड़ा करने की नहीं, अपनी विश्वसनीयता पुन: अर्जित करने होनी चाहिए। जनादेश का सम्मान, अपनी पराजय का आत्ममंथन, आरोपों के स्थान पर प्रमाण, नैरेटिव के स्थान पर नीति और विरोध के स्थान पर विकल्प—यही किसी भी विपक्ष को जनता के बीच फिर से विश्वसनीय बना सकता है।लोकतंत्र में जनता अंतिम निर्णायक है।

> संकट तब और गहरा जाता है जब अपनी यह भूमिका निभाना तो दूर बल्कि विपक्ष का नेतृत्व हठधर्मी हो जाए एवं उसपर सामंती अहंकार सवार हो।देश को अराजकता पर धकेलने का प्रयास होता है। स्वतंत्रता के बाद लंबे समय तक कांग्रेस स्वयं या विभिन्न दलों के समर्थन से केंद्र की सत्ता में रही। देश की आर्थिक नीतियों, बजट, प्रशासनिक व्यवस्था और विकास की दिशा तय करने में उसकी निर्णायक भूमिका रही। बीच में गैर-कांग्रेसी सरकारें भी आईं, लेकिन कई दशकों तक राष्ट्रीय राजनीति में कांग्रेस का प्रभुत्व रहा। इसलिए उसके लंबे शासन की उपलब्धियों के साथ उसकी विफलताओं और नीतिगत निर्णयों की जवाबदेही से भी उसे बचाया नहीं जा सकता। समय के साथ भ्रष्टाचार के आरोप, प्रशासनिक अकर्मण्यता, नीतिगत असमंजस और नेतृत्व से जुड़े प्रश्न राजनीतिक विमर्श के केंद्र में आए। जनता के बीच असंतोष बढ़ा और कांग्रेस का राजनीतिक आधार कमजोर होता गया। 2014 में इस असंतोष ने निर्णायक रूप लिया। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने स्पष्ट बहुमत प्राप्त किया और केंद्र में भाजपा नीत सरकार बनी। यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं था, बल्कि लंबे समय से चली आ रही राजनीतिक व्यवस्था के प्रति जनता के बदलते रुझान का स्पष्ट संकेत था। यहीं से विपक्ष के सामने आत्ममंथन का अवसर था। चुनावी पराजय के कारणों को समझना, संगठन और नेतृत्व की कमियों को स्वीकार करना तथा जनता के सामने नई नीतियों और नए विकल्प के साथ जाना किसी भी लोकतांत्रिक दल का स्वाभाविक रास्ता होना चाहिए।

राशिफल



मेष राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा है। आज आपको अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को खुशनुमा बना देगा। देवी कालरात्रि आपके जीवन से सभी बाधाएं दूर करेगी। आज व्यापार को आगे बढ़ाने में जीवनसाथी की मदद मिलेगी। किसी नयें प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए आज आप खुद को तैयार रखेंगे।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। छात्रों के लिये आज का दिन करियर में नया बदलाव लायेगा। आज नवरात्र के सातवें दिन पर माँ कालरात्रि आपके परिवार में सुख-शांति बनाये रखेगी। किस्मत का साथ मिलने से किसी खास काम में आपको सफलता मिलेगी।

मिथुन राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आपको किसी अजनबी व्यक्ति से ऐसी बाते पता चलेंगी जिसकी वजह से आपके जीवन में नया बदलाव आ सकता है। आज आपको कोई भी मौका गंवाना नहीं चाहिए। जीवनसाथी के सुझाव से आपको पैसा कमाने का कोई नया जरिया मिलेगा।

कर्क राशि : आज आपका दिन खास रहने वाला है। इस राशि के जो लोग अपना बिजनेस करते हैं, उन्हें मुनाफा मिलने की संभावना है। आज नवरात्र के शुभ अवसर पर देवी कालरात्रि आपके जीवन में खुशियां ही खुशियां लायेंगी। आप बच्चों के साथ अधिक समय बितायेंगे। संतान आपकी बातों से प्रभावित होंगे।

सिंह राशि : आज का दिन मिला-जुला रहने वाला है। आज के दिन मां कालरात्रि की उपासना से आप हर तरह के भय, आदि से दूर रहेंगे। आज शत्रु पक्ष आपसे दूरी बनाकर रहेगा। ऑफिस के काम में आपको पूर्ण सफलता मिलेगी। अधिकारी लोग आपके काम से प्रभावित होंगे।

कन्या राशि : आज आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। अगर आपका कार्य शिक्षण संस्थान से जुड़ा है, तो आज लाभ होगा। व्यावसायिक प्रगति के लिए दिन अनुकूल है। आज नवरात्र के सातवें दिन मां कालरात्रि चीज़ों को बेहतर बनाने में आपकी मदद करेगी। आज आप किसी व्यक्ति से प्रभावित होंगे।

तुला राशि : आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। किसी भी काम में जल्दबाजी करने की बजाय धैर्य से काम लेना चाहिए। किसी भी तरह की यात्रा करने से आज आपको बचना चाहिए, बहुत जरुरी हो तभी यात्रा पर जायें। आज ऑफिस के किसी काम में गलतियों को नजर अंदाज न करें।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक रहने वाला है। कॉन्ट्रैक्ट का कार्य कर रहे लोगों को आज नया कॉन्ट्रैक्ट मिलेगा। ऑफिस के लोग आपके कार्यों की खूब तारीफ करेंगे। आज शिक्षा के क्षेत्र में आपको कोई बड़ी कामयाबी मिलेगी। देवी कालरात्रि की कृपा से आपके कार्य अच्छे से पूरे होंगे। आपके धन के खजाने भरे रहेंगे।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपकी बात किसी खास रिश्तेदार से होगी, उनके साथ कोई व्यापार शुरू करने की बात रखेंगे। आज अपने खर्चों को नियंत्रित करने के लिए नयी योजना बनायेंगे। आज अपना कार्य अच्छी तरह से पूरा करने पर वाहवाही मिलेगी। देवी मां आपकी यात्रा को सफल बनायेगी।

मकर राशि :आज पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी। करियर को लेकर आज आप कुछ अच्छे फैसले लेंगे। आज आप अपने कार्यों को समय से पूरा करने में सफल होंगे। किसी प्रापर्टी में निवेश करने से पहले घर में विचार विमर्श जरूर करें। मेडिकल की पढाई कर रहे छात्रों को आज किसी बड़े डॉक्टर का सहयोग मिलेगा।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज उच्च अधिकारियों से परिचय आपके काम आयेगा। करियर में तरक्की के योग बन रहे हैं। शाम को परिवार के साथ अच्छा समय बितायेंगें। पहले से लिये गए फैसले आपको बेहतर फल देंगे। मां कालरात्रि की कृपा से ऑफिस में सबके साथ सामंजस्य बिठाने में आप सफल रहेंगे।

मीन राशि :आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। कार्यक्षेत्र में नये विचारों पर अमल करने के लिए दिन अच्छा है। आज जिस कार्य को करने की सोचेंगे, उसमें कामयाबी मिलेगी। साथ ही घरेलू कार्यों को पूरा करने में परिवार वालों का सहयोग मिलेगा। आज आपको किसी अच्छे वकील के साथ इंटर्नशिप करने का मौका मिलेगा।

सरकारी योजनाओं का लाभ से साकार हो रहा विकसित छत्तीसगढ़ का संकल्प



लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति जनता का विश्वास है और सुशासन उस विश्वास को मजबूत करने का सबसे प्रभावी माध्यम। जब शासन की योजनाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंचती हैं, समस्याओं का समयबद्ध समाधान होता है और आम नागरिक को अपने अधिकारों एवं सुविधाओं के लिए अनावश्यक भटकना नहीं पड़ता, तभी सुशासन की अवधारणा सार्थक होती है। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में इसी भावना के अनुरूप संवेदनशील, पारदर्शी और जनोन्मुखी प्रशासन को प्राथमिकता दी जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मूलमंत्र को आत्मसात करते हुए छत्तीसगढ़ सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। शासन की कार्यप्रणाली को अधिक सरल, सुलभ और जवाबदेह बनाने के प्रयासों से प्रशासन और आम नागरिकों के बीच संवाद तथा विश्वास का नया वातावरण विकसित हो रहा है। सुशासन की पहली शर्त है कि आम नागरिक की बात सुनी जाए और उसकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी पहल हो। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जनसमस्याओं के निराकरण को शासन की प्राथमिकताओं में स्थान दिया है। नागरिकों को अपनी समस्याएं, शिकायतें और सुझाव सीधे शासन-प्रशासन के समक्ष रखने का अवसर मिल रहा है। जिला और विकासखंड स्तर पर आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर भी प्रशासन को नागरिकों के निकट लाने का महत्वपूर्ण माध्यम बन रहे हैं। इन शिविरों में विभिन्न विभागों की सेवाओं और योजनाओं की जानकारी देने के साथ पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने तथा प्राप्त आवेदनों के निराकरण की दिशा में कार्य किया जा रहा है। डिजिटल सुशासन से आसान हो रही शासकीय सेवाएं बदलते समय में तकनीक सुशासन का सशक्त आधार बनकर उभरी है। छत्तीसगढ़ में डिजिटल माध्यमों से शासकीय सेवाओं को अधिक सुलभ, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। सेवा सेतु पोर्टल और डिजिटल सेवा केंद्रों के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न विभागों की सेवाओं के लिए आवेदन करने और प्रक्रियाओं की जानकारी प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इससे विशेष रूप से ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों के लिए शासकीय सेवाओं तक पहुंच आसान बनाने में सहायता मिल रही है। डिजिटल व्यवस्थाओं का महत्व केवल ऑनलाइन आवेदन तक सीमित नहीं है। इनका उद्देश्य प्रशासनिक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बढ़ाना, अनावश्यक विलंब कम करना और नागरिकों को सेवाओं की स्थिति की जानकारी उपलब्ध कराना भी है। तकनीक आधारित प्रशासन से शासन और जनता के बीच विश्वास का संबंध और अधिक मजबूत करने की संभावनाएं बढ़ी हैं। अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना सर्वोच्च प्राथमिकता मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार गरीबों, किसानों, महिलाओं, युवाओं, श्रमिकों और जनजातीय समुदायों के कल्याण को विशेष प्राथमिकता दे रही है। महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को नियमित आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। यह सहायता घरेलू आवश्यकताओं, बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और छोटी बचत जैसे कार्यों में महिलाओं के लिए उपयोगी साबित हो रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों के पक्के घर का सपना साकार करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। किसानों के लिए संचालित योजनाएं, स्वास्थ्य सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण आजीविका से जुड़ी पहलें भी नागरिकों के जीवन में आर्थिक एवं सामाजिक सुरक्षा का आधार बन रही हैं। इन योजनाओं की वास्तविक सफलता उन परिवारों के जीवन में दिखाई देती है, जिन्हें शासन की सहायता से अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने और बेहतर भविष्य की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। शिकायत निवारण से जवाबदेह प्रशासन की ओर सुशासन का अर्थ केवल योजनाओं का संचालन नहीं, बल्कि नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता से सुनना और उनका समाधान सुनिश्चित करना भी है। इसी दिशा में सीएम हेल्पलाइन 1076 नागरिकों को शिकायत दर्ज कराने और उसके निराकरण की स्थिति जानने का माध्यम उपलब्ध कराती है। नगरीय क्षेत्रों में निदान-1100 के माध्यम से साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़ी शिकायतों के समाधान की व्यवस्था विकसित की गई है। इन व्यवस्थाओं का उद्देश्य शिकायत निवारण में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है। जब नागरिक अपनी समस्या दर्ज कराने के साथ उसकी प्रगति भी जान सकते हैं, तब प्रशासन के प्रति उनका भरोसा मजबूत होता है। गांव से शहर तक विकास, हर वर्ग के कल्याण का प्रयास छत्तीसगढ़ की बड़ी आबादी ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों में निवास करती है। इसलिए सुशासन की सफलता का महत्वपूर्ण आधार दूरस्थ अंचलों तक शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क, बिजली और अन्य आवश्यक सुविधाओं की पहुंच है। राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण विकास, जनजातीय कल्याण, महिला सशक्तिकरण और आजीविका संवर्धन से जुड़ी योजनाओं के माध्यम से विकास को अधिक समावेशी बनाने का प्रयास किया जा रहा है। विशेष रूप से बस्तर और सरगुजा जैसे अंचलों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार तथा स्थानीय समुदायों के सशक्तिकरण का महत्व और भी बढ़ जाता है। सुशासन की वास्तविक पहचान तब बनती है, जब दूरस्थ गांव में रहने वाले नागरिक को भी वही सम्मान, सुविधा और अवसर प्राप्त हों, जो शहरों में उपलब्ध हैं। जनभागीदारी से मजबूत होता सुशासन का संकल्प प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर छत्तीसगढ़ में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक आयोजित सेवा संकल्प अभियान ने जनसेवा और जनभागीदारी की भावना को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान किया। अभियान के अंतर्गत सेवा सेतु, सेवा की कहानी, सेवा मेरा योगदान और सुशासन सेवा संवाद जैसी पहलों ने नागरिकों को शासन की सेवाओं, जनकल्याणकारी योजनाओं और सामाजिक जिम्मेदारियों से जोड़ने का संदेश दिया। सुशासन केवल सरकार और प्रशासन के प्रयासों से नहीं, बल्कि जागरूक नागरिकों की सक्रिय सहभागिता से भी मजबूत होता है। नागरिकों के सुझाव, सामाजिक सहयोग और जनहित के कार्यों में भागीदारी विकास की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाते हैं। सुशासन का वास्तविक अर्थ है हर नागरिक के जीवन में सकारात्मक बदलाव मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में सुशासन को जनसेवा, संवेदनशीलता और जवाबदेही से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। योजनाओं की प्रभावशीलता, शिकायतों का समयबद्ध समाधान और नागरिकों की संतुष्टि ही इन प्रयासों की वास्तविक कसौटी होगी। सुशासन का उद्देश्य ऐसी व्यवस्था विकसित करना है, जिसमें गरीब को सम्मान, किसान को संबल, महिलाओं को सुरक्षा, युवाओं को अवसर और प्रत्येक नागरिक को न्यायपूर्ण एवं सरल शासकीय सेवाएं उपलब्ध हों। शासन और जनता के बीच दूरी कम होने का वास्तविक अर्थ केवल कार्यालयों तक पहुंच आसान होना नहीं, बल्कि नागरिकों के मन में यह विश्वास पैदा होना है कि सरकार उनकी समस्याओं के प्रति संवेदनशील है और उनके समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। यही विश्वास लोकतंत्र की सबसे बड़ी पूंजी है। इसी विश्वास, जनभागीदारी और संवेदनशील प्रशासन के आधार पर छत्तीसगढ़ विकसित राज्य बनने की दिशा में अग्रसर है। सुशासन से विश्वास, विश्वास से जनभागीदारी और जनभागीदारी से विकसित छत्तीसगढ़, यही समावेशी विकास की सशक्त आधारशिला है।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, मंगलवार 27 अक्टूबर 2026
www.rashtriyagarima.com

भाषा से भावना व्यक्त करने के तरीके में बदलाव आता है, बा बा ब्लैक शीप की मालवी मल्होत्रा



लुगु क्राइम-कॉमेडी फिल्म बा बा ब्लैक शीप में अभिनेत्री मालवी मल्होत्रा रमा के किरदार में नजर आ रही हैं। साउथ इंडस्ट्री में काम करने पर अभिनेत्री ने कहा कि भाषा इस बात को भी दिखाती है कि आप अपनी भावनाओं को दूसरों के सामने कैसे व्यक्त करते हैं। अभिनेत्री ने कहा, हर इंडस्ट्री की काम करने की संस्कृति, लय और कहानी कहने की भाषा होती है और मेरे लिए इससे परिचित होना मददगार है। भाषा सिर्फ शब्दों या उच्चारण के बारे में नहीं है बल्कि, यह दिखाती है कि आप अपने मन की भावनाओं को कैसे व्यक्त करते हैं, सीन की लय कैसी होती है और आप अपने सह-कलाकार को कैसे सुनते हैं। आखिरकार, भावनाएं सार्वभौमिक होती हैं। चाहे आप हिंदी, तेलुगु, तमिल या मलयालम बोल रहे हों, किरदार की सच्चाई सामने आनी चाहिए। इस समझ ने मुझे और अधिक सहज और बहुमुखी कलाकार बना दिया है। अभिनेत्री ने रमा के किरदार के बारे में बताते हुए कहा, रमा की अपनी अलग पहचान और इमोशनल सफर है। मुझे यह पसंद आया कि उसे सिर्फ हीरो के आसपास या उसकी कहानी को आगे बढ़ाने के लिए नहीं लिखा गया। उसके कई पहलू हैं और जहां कुछ पहलू वास्तविकता के करीब थे, वहीं कुछ ने मुझे अपने व्यक्तित्व से बाहर ला दिया। जिस बात ने मुझे सबसे ज्यादा आकर्षित किया, वह था उसे एक असली इंसान जैसा महसूस कराने का अवसर, जिसमें उसके अपने विचार, कमजोरियां और ताकतें हों।

अपनी भूमिका की तैयारी के बारे में बताते हुए मालवी ने कहा, मैं आमतौर पर किरदार के बारे में ज्यादा कुछ तय नहीं करती, जब तक कि मैं यह न समझ लूं कि वह किस दुनिया से आती है, क्या चाहती है, किससे डरती है और किस तरह की प्रतिक्रिया देती है। मैंने स्पष्ट हावभाव बनाने के बजाय अपने अभिनय को सहज बनाने की कोशिश की थी। मेरी थिएटर ट्रेनिंग ने मुझे सिखाया है कि छोटी-छोटी बातें किसी किरदार को विश्वसनीय बना सकती हैं, इसलिए मैंने उसके आंतरिक जीवन पर अधिक ध्यान दिया और हावभाव को स्वाभाविक रूप से उभरने दिया।

उन्होंने कहा, मुझे तुरंत जिस चीज ने आकर्षित किया था, वह कहानी और उसकी दुनिया थी। मैं ऐसे प्रोजेक्ट खोजती हूं, जहां पात्रों की अपनी यात्राएं हों और कुछ सार्थक योगदान हो। जब मैंने पटकथा पढ़ी, तो मुझे लगा कि पात्र और उनकी भावनाएं कहानी को चला रही हैं। मैं सिर्फ पैमाने या ग्लैमर के कारण किसी प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने से ज्यादा अच्छी कहानी का हिस्सा बनना पसंद करती हूं।

तुम मेरे हो का टीजर जारी, फिल्म में दिखेगा गुरमीत चौधरी और ईशा मालवीय की प्यार का खूबसूरत सफर



गुरमीत चौधरी और ईशा मालवीय की आगामी प्रेम कहानी पर आधारित फिल्म 'तुम मेरे हो' का गुरुवार को टीजर जारी कर दिया गया। टीजर में दर्शकों को प्यार और भावनाओं से भरी एक ऐसी दुनिया की झलक देखने को मिलती है, जो सामान्य जिंदगी से अलग नजर आती है। भावुक क्षणों और खूबसूरत दृश्यों से सजे टीजर में पृष्ठभूमि का संगीत कहानी के भावनात्मक पक्ष को और गहराई देता है। खास बात यह है कि इस फिल्म के जरिए ईशा मालवीय हिंदी सिनेमा में अपना पदार्पण करने जा रही हैं।

आशीष पांडा के निर्देशन में बनी 'तुम मेरे हो' में गुरमीत चौधरी और ईशा मालवीय के अलावा शान आर. ग्रोवर और अनुष्का लुहार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण आरती एस. और देबिना बनर्जी ने किया है, जबकि रोमांच मेहता और अम्मान रियास्ती सह-निर्माता हैं।निर्देशक आशीष पांडा ने फिल्म को लेकर कहा कि 'तुम मेरे हो' के जरिए प्यार की गहराई को बड़े पर्दे पर प्रस्तुत करना उनके लिए सपने जैसा है। उनके अनुसार, यह केवल खूबसूरत प्रेम क्षणों की कहानी नहीं है, बल्कि इसमें उन भावनाओं, चुनौतियों और परिस्थितियों को भी दिखाया गया है, जो दो लोगों के रिश्ते की परीक्षा लेती हैं।उन्होंने कहा कि फिल्म में गहरी प्रेम कहानी के साथ कार्रवाई और रोमांच का भी समावेश किया गया है। इसका उद्देश्य दर्शकों को बड़े स्तर का सिनेमाई अनुभव देना है।गुरमीत चौधरी के साथ काम करने के अनुभव पर आशीष पांडा ने कहा कि अभिनेता और निर्माता के रूप में उनके साथ काम करना बेहद सहज रहा। उन्होंने कहा कि पूरी प्रक्रिया के दौरान ऐसा कभी महसूस नहीं हुआ कि टीम केवल एक फिल्म बना रही है, बल्कि लगा कि सभी मिलकर दिल से निकली कोई कहानी तैयार कर रहे हैं। निर्देशक के मुताबिक, गुरमीत ने अपने किरदार के लिए जरूरी गंभीरता और विश्वास को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया तथा वह पूरी तरह फिल्म की दुनिया में डूब गए।फिल्म की कहानी निरंजन अयंगर और पूर्वा नरेश ने लिखी है। इसके गीत रश्मि विराग मिश्रा, मिथुन, अजीम शिराजी, संजू राठौड़, विवेक वर्मा और गीत सागर ने लिखे हैं। फिल्म का संगीत मिथुन, संजू राठौड़, विवेक वर्मा, कृष, उद्दीपन शर्मा और अर्जुन हरजाई ने तैयार किया है।'तुम मेरे हो' इसी वर्ष 23 अक्टूबर को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी।

चार यार सीरीज की रिलीज तारीख का ऐलान, दोस्ती और अंडरवर्ल्ड की दिखेगी कहानी

अमेजन प्राइम वीडियो ने अपनी नई वेब सीरीज चार यार का ऐलान किया है। यह एक क्राइम ड्रामा है, जिसकी कहानी मुंबई के 4 जिगरी दोस्तों और अंडरवर्ल्ड के दलदल पर आधारित होगी। विनय वायकुल इसके निर्देशक हैं, जिन्हें सीरीज ग्यारह ग्यारह (2024) के लिए जाना जाता है। सीरीज में पूरव झा, नमन जैन, साकिब अयूब और प्रयारक मेहता मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। साई तम्हंकर, सिकंदर खेर, दिब्येंदु भट्टाचार्य, राजेश तैलंग, चंकी पांडे और भगवती पेरुमल सहायक कलाकार होंगे।

निर्माताओं ने 8 एपिसोड वाली सीरीज का पोस्टर जारी करते हुए कैप्शन दिया, चार दोस्त, एक चोरी, और अब पीछे मुड़ने का कोई रास्ता नहीं।

इसकी कहानी 2000 के दशक में मुंबई पर आधारित होगी, जहां ये चारों दोस्त अप्रत्याशित परिस्थिति में फंसकर गैंगस्टरों के रास्ते पर आ खड़े होते हैं। उनकी दोस्ती ही उन्हें इस मुश्किल से निकालती है।

सीरीज का प्रीमियर 23 अक्टूबर, 2026 से भारत और 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में प्राइम वीडियो पर होगा।

राजकुमार राव की फिल्म 'प्रहार: द उज्जवल निकम स्टोरी' का नया गाना 'तुझ में बसी मेरी जान' जारी

अभिनेता राजकुमार राव की आगामी फिल्म 'प्रहार: द उज्ज्वल निकम स्टोरी' इन दिनों चर्चा में है। फिल्म का ट्रेलर जारी होने के बाद अब निर्माताओं ने इसका नया गाना 'तुझ में बसी मेरी जान' रिलीज कर दिया है। इस रोमांटिक गीत में राजकुमार राव और वामिका गब्बी की जोड़ी नजर आ रही है। गीत के दृश्य दोनों कलाकारों के बीच प्रेम और भावनात्मक जुड़ाव को दर्शाते हैं।

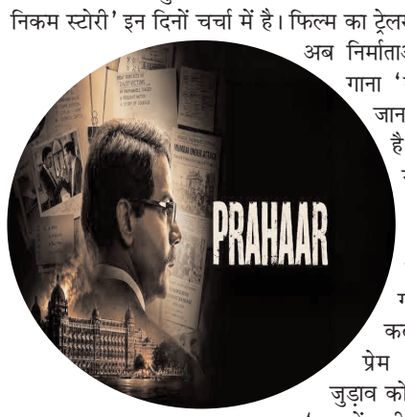

'तुझ में बसी मेरी जान' गीत के दृश्य फिल्म में राजकुमार राव और वामिका गब्बी के किरदारों की शादी तथा उसके बाद की जिंदगी को दिखाते हैं। गीत में दोनों कलाकार रोमांटिक अंदाज में दिखाई देते हैं। इसके भावपूर्ण बोल और संगीत कहानी के प्रेम पक्ष को उभारते हैं।गीत का संगीत प्रीतम ने तैयार किया है, जबकि इसके रोमांटिक बोल अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं। श्रेया घोषाल और सोनू निगम ने इसे अपनी आवाज दी है। गीत का निर्माण टी-सीरीज के बैनर तले किया गया है।मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले बनी 'प्रहार: द उज्ज्वल निकम स्टोरी' एक जीवनीपरक नाट्य फिल्म है। इसमें राजकुमार राव भारतीय वकील उज्ज्वल निकम की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म का निर्देशन अविनाश अरुण ने किया है।फिल्म की कहानी 26 नवंबर 2008 को मुंबई में हुए आतंकवादी हमलों के बाद पाकिस्तानी आतंकवादी अजमल कसाब को फांसी की सजा दिलाने के लिए चली कानूनी लड़ाई पर आधारित बताई गई है। उज्ज्वल निकम ने इस मामले में सरकारी पक्ष की ओर से पैरवी की थी। फिल्म के माध्यम से उज्ज्वल निकम की कानूनी भूमिका और इस चर्चित मामले से जुड़े घटनाक्रम को पर्दे पर पेश किया जाएगा।

संदीपा धर ने आतिश कपाड़िया को दिया कॉमेडी से परिचय कराने का श्रेय

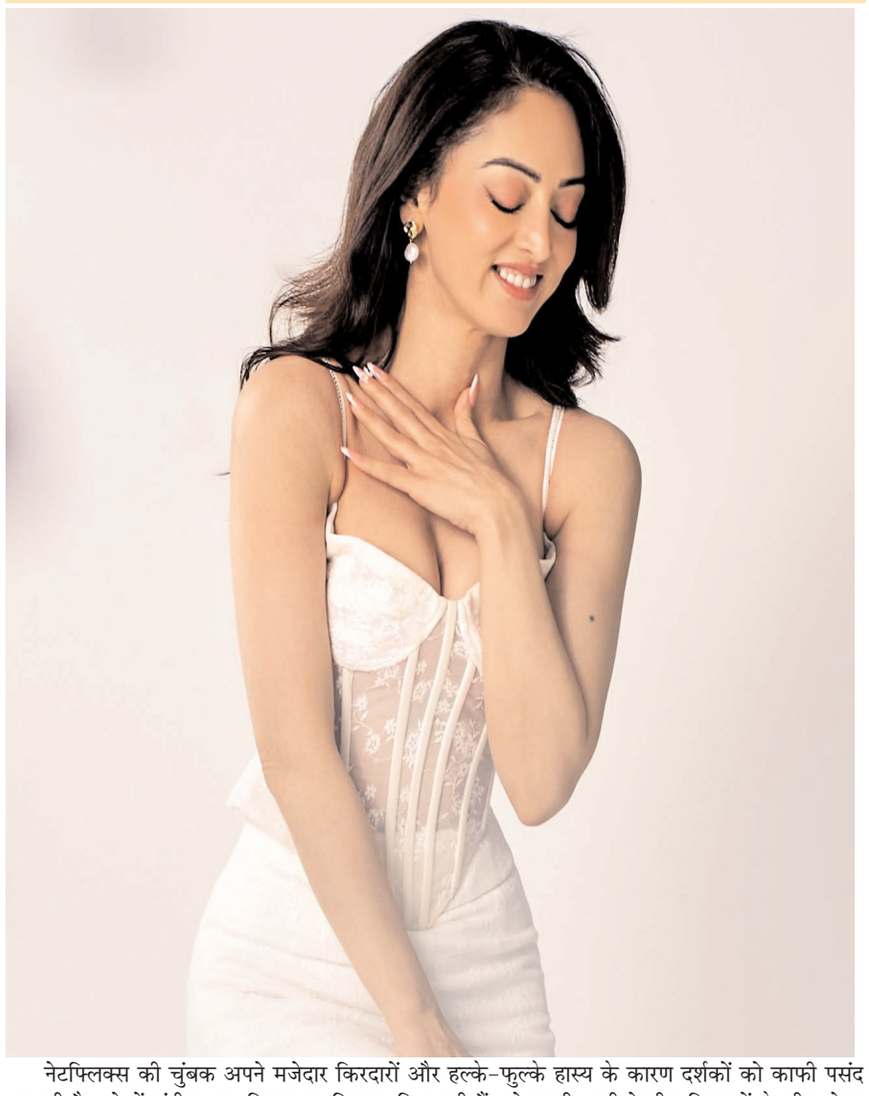

नेटफ्लिक्स की चुंबक अपने मजेदार किरदारों और हल्के-फुल्के हास्य के कारण दर्शकों को काफी पसंद आ रही है। शो में संदीपा धर, किरण का किरदार निभा रही हैं, जो बाकी अजीबोगरीब किरदारों के बीच बेहद समझदार हैं।शो का हिस्सा बनने के बारे में बात करते हुए संदीपा ने कहा, एक दिन मुझे चुंबक के निर्देशक आतिश कपाड़िया का फोन आया और उन्होंने बताया कि वे नेटफ्लिक्स और जेडी के साथ मिलकर एक नया शो बना रहे हैं। ऐसे में उन्होंने मुझे इसके लिए टेस्ट देने को कहा। उनकी बात सुनकर पहले तो मैं हैरान रह गई कि कॉमेडी और मैं ? क्योंकि मैंने पहले कभी कॉमेडी नहीं की थी। लेकिन उनकी बात सुनकर मैंने हामी भर दी।संदीपा ने आगे बताया, इसके बाद जब मेरी मुलाकात आतिश कपाड़िया से हुई तो उन्होंने जिस अंदाज़ में मुझे पूरी कहानी सुनाई, वो उससे भी ज़्यादा मज़ेदार था। उन्होंने जिस तरह हर किरदार को खुद निभाकर दिखाया, मुझे ऐसा लग रहा था जैसे मैं कोई नाटक देख रही हूं। उसी समय मैंने तय कर लिया कि मुझे इस शो का हिस्सा बनना ही है।अपने किरदार के बारे में बात करते हुए संदीपा धर ने कहा, किरण का किरदार निभाना मेरे लिए बिलकुल आसान नहीं था, क्योंकि वह शो की सबसे समझदार इंसान है। उसे अपने एक्शन से ही कॉमडी करना था, लेकिन साथ ही इस बात का ख्याल भी रखना था कि उसके एक्शंस बनावटी न लगें। हालांकि इस बारे में मैंने आतिश से काफी चर्चा भी की थी। संदीपा की माने तो आतिश कपाड़िया की कहानी सुनाने की शैली और किरदारों को जीवंत करने की उनकी कला ने ही उन्हें चुंबक से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। यही नहीं किरण के रूप में उनका संतुलित और सहज अभिनय शो की खासियत बनकर उभरा है और दर्शकों को खूब पसंद आ रहा है।

अकेले यात्रा करने वालों के लिए जरूरी हैं ये 5 कौशल, हर किसी को आने चाहिए

यात्रा करना एक रोमांचक और आनंददायक अनुभव हो सकता है, खासकर जब आप अकेले यात्रा करते हैं। हालांकि, अकेले यात्रा करने का मतलब यह नहीं है कि आपको हर चीज की जिम्मेदारी खुद उठानी होगी। कई ऐसे कौशल हैं, जो आपकी यात्रा को सुरक्षित और सुखद बना सकते हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे जरूरी कौशल बताते हैं, जो अकेले यात्रा करने वालों के लिए बहुत काम आ सकते हैं।

स्थानीय भाषा की जानकारी



स्थानीय भाषा की जानकारी आपकी यात्रा को बहुत आसान बना सकती है। इससे न केवल आप स्थानीय लोगों से बेहतर तरीके से बातचीत कर सकते हैं, बल्कि आपको सही दिशा में मार्गदर्शन भी मिल सकता है।अगर आप भाषा नहीं जानते तो कम से कम कुछ जरूरी शब्द और वाक्यांश याद कर लें, जैसे धन्यवाद, कृपया और मदद चाहिए आदि।इसके अलावा आप अपने फोन में भाषा अनुवादक ऐप्स डाउनलोड कर सकते हैं।

नक्शा पढ़ने की कला

नक्शा पढ़ने की कला एक अहम कौशल है, जो आपको नई जगहों पर आसानी से घूमने में मदद कर सकता है।आजकल स्मार्टफोन में जीपीएस और नक्शे होते हैं, लेकिन अगर आपका फोन काम नहीं करता या बैटरी खत्म हो जाती है तो पुराने तरीके से नक्शा पढ़ना आना जरूरी है।इसके लिए आपको दिशा ज्ञान होना चाहिए, जैसे उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम की ओर जानना और प्रमुख स्थलों का पता लगाना।

पैसे संभालने की समझ

यात्रा के दौरान पैसे संभालना बहुत जरूरी है। इसके लिए आपको नकद और क्रेडिट कार्ड दोनों का इस्तेमाल करना आना चाहिए।नकद पैसे रखने के लिए एक सुरक्षित जगह चुनें और उसे नियमित रूप से जांचते रहें, वहीं क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते समय सावधानी बरतें और अपने खर्चों पर नजर रखें ताकि बजट से बाहर न जाएं।इसके अलावा स्थानीय मुद्रा का ज्ञान भी रखें ताकि आप बेझिझक खरीदारी कर सकें।

प्राथमिक चिकित्सा की जानकारी

यात्रा के दौरान छोटी-मोटी समस्याएं कभी भी हो सकती हैं, इसलिए प्राथमिक चिकित्सा की जानकारी होना बहुत जरूरी है।इसके लिए आपको बुनियादी प्राथमिक चिकित्सा किट साथ ले जानी चाहिए, जिसमें पट्टी, बैंड-एड्स, एंटीसेप्टिक लोशन, दर्द निवारक दवा आदि शामिल हों।इसके अलावा चोट लगने पर क्या करना चाहिए, बुखार होने पर क्या करना चाहिए और छोटे-मोटे संक्रमण का इलाज कैसे करना चाहिए, इन सबका ज्ञान होना जरूरी है।

स्थानीय परिवहन व्यवस्था की समझ

हर शहर की अपनी स्थानीय परिवहन व्यवस्था होती है, जिसे समझना आपकी यात्रा को सुगम बना सकता है। बस, ट्रेन, टैक्सी आदि सभी जगह अलग-अलग होते हैं इसलिए पहले से उनकी जानकारी रखें।अगर संभव हो तो ऑनलाइन टिकट बुकिंग व्यवस्था का इस्तेमाल करें ताकि आपको परेशानी न हो। इसके अलावा स्थानीय लोगों से मदद मांगने में न हिचकिचाएं क्योंकि वे आपकी मदद करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं।

००

गंभीर एलर्जी से जुड़े हो सकते हैं ये 5 संकेत, न करें नजरअंदाज



एलर्जी एक आम समस्या है, जो किसी भी व्यक्ति को हो सकती है। यह समस्या तब गंभीर हो जाती है, जब शरीर किसी चीज के प्रति अत्यधिक प्रतिक्रिया देता है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे संकेत बताते हैं, जो बताते हैं कि आपको डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए और एलर्जी को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए क्योंकि समय पर इलाज न करने पर यह जानलेवा भी हो सकती है।

सांस लेने में परेशानी होना

अगर आपको सांस लेने में काफी परेशानी हो रही है तो इसे नजरअंदाज न करें। यह एक गंभीर संकेत हो सकता है कि आपको किसी चीज से एलर्जी हो गई है।इस स्थिति में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। डॉक्टर आपकी समस्या का सही कारण बताएंगे और आपको सही इलाज और दवाइयां देंगे।इसके अलावा सांस लेने में परेशानी होने पर खुद से कोई भी घरेलू उपाय न आजमाएं।

होंठों और चेहरे का सूजना

अगर आपके होंठ या चेहरा अचानक से सूजने लगे तो इसे नजरअंदाज न करें।यह भी एक गंभीर संकेत हो सकता है कि आपको किसी चीज से एलर्जी हो गई है।इस स्थिति में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। डॉक्टर आपकी समस्या का सही कारण बताएंगे और आपको सही इलाज और दवाइयां देंगे।इसके अलावा सांस लेने में परेशानी होने पर खुद से कोई भी घरेलू उपाय न आजमाएं।

चक्कर आना या बेहोश होना

अगर आपको चक्कर आए या बेहोश हो जाएं तो इसे हल्के में न लें। यह भी एक गंभीर संकेत हो सकता है कि आपको किसी चीज से एलर्जी हो गई है।इस स्थिति में भी तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। डॉक्टर आपकी समस्या का सही कारण बताएंगे और आपको सही इलाज और दवाइयां देंगे।इसके अलावा खुद से कोई भी घरेलू उपाय न आजमाएं। सही इलाज से ही समस्या का समाधान होगा।

त्वचा पर लाल चकत्ते होना

अगर आपकी त्वचा पर लाल चकत्ते हो जाएं तो इसे नजरअंदाज न करें। यह भी एक गंभीर संकेत हो सकता है कि आपको किसी चीज से एलर्जी हो गई है।

इस स्थिति में भी तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। डॉक्टर आपकी समस्या का सही कारण बताएंगे और आपको सही इलाज और दवाइयां देंगे।इसके अलावा खुद से कोई भी घरेलू उपाय न आजमाएं। सही इलाज से ही समस्या का समाधान होगा।

उल्टी या दस्त लगना

अगर आपको उल्टी या दस्त लग जाएं तो इसे हल्के में न लें। यह भी एक गंभीर संकेत हो सकता है कि आपको किसी चीज से एलर्जी हो गई है।इस स्थिति में भी तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। डॉक्टर आपकी समस्या का सही कारण बताएंगे और आपको सही इलाज और दवाइयां देंगे।

इन सभी संकेतों को नजरअंदाज न करें। अगर आपको इनमें से कोई भी समस्या होती है तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, मंगलवार 27 अक्टूबर 2026
www.rashtriyagarima.com

हूतियों ने सऊदी के कई शहरों पर किए हमले, सना में 8 की मौत

सना। यमन में हूती विद्रोहियों और सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन के बीच संघर्ष एक बार फिर तेज हो गया है। शनिवार को हूती लड़ाकों ने सऊदी अरब के कई शहरों में मिसाइल और ड्रोन हमलों का दावा किया, जिसके जवाब में सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन ने यमन में हूती विद्रोहियों के कब्जे वाले इलाकों पर भीषण हवाई हमले किए। इन हमलों में कई लोगों के हताहत होने की खबर है, जिनमें यमन की राजधानी सना में आठ नागरिक शामिल हैं।

हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरिया ने बताया कि उनके संगठन ने शनिवार को सात मिसाइल और ड्रोन हमले किए। इनका निशाना सऊदी अरब के रियाद, यानबू, रबीग, दम्माम, नजरान और खमीस मुशैत शहरों में स्थित एयरपोर्ट, तेल प्रतिष्ठान और सैन्य अड्डे थे। सरिया के मुताबिक, रियाद के



किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, यानबू में सऊदी अरामको के प्रतिष्ठानों और दम्माम में किंग फहद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भी हमले किए गए। सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन ने इन हमलों का जवाब देते हुए कहा कि उसने हूती विद्रोहियों की ओर से रियाद, ताइफ और यानबू शहरों की तरफ दागी गई कई मिसाइलों को रोककर नष्ट कर दिया। इसके अलावा पूर्वी प्रांत में एक ड्रोन को भी मार गिराया गया। सऊदी अरब के नागरिक सुरक्षा महानिदेशालय ने बताया कि रोकी गई दो मिसाइलों का मलबा मक्का और मदीना क्षेत्रों में गिरा, हालांकि हूती संगठन ने इन पवित्र शहरों को निशाना बनाने के आरोपों को झूठा और बेबुनियाद बताया। हूती संगठन ने दावा किया कि शनिवार के हमले यमन में उसके नियंत्रण वाले इलाकों पर पिछले 24 घंटे में हुए करीब 100 सऊदी हवाई हमलों के जवाब में किए गए थे। संगठन के अनुसार, इन हवाई हमलों में यमन की राजधानी सना और दक्षिण-पश्चिमी ताइज प्रांत के लाल सागर स्थित बंदरगाह शहर मोखा को भी निशाना बनाया गया। हूती लड़ाकों के नियंत्रण वाले टीवी ने रिपोर्ट दी कि सना प्रांत के हमदान जिले में एक सीमेंट फैक्टरी के कर्मचारियों के आवास पर हुए हवाई हमले में आठ लोगों की मौत हो गई और 10 से अधिक लोग घायल हो गए। ये हमले ऐसे समय हुए हैं, जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त यमन सरकार की सेनाएं, सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन के समर्थन से, हूती लड़ाकों के खिलाफ अपना सैन्य अभियान डॉन ऑफ यमन तेज कर चुकी हैं। हूती प्रवक्ता सरिया ने यह भी दावा किया कि उनके बलों ने दक्षिणी बंदरगाह शहर अदन में सऊदी समर्थित सैन्य जमावड़े को निशाना बनाया। अदन यमन की सरकार का मुख्यालय है। एक स्थानीय सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि हूती विद्रोहियों ने अदन शहर की ओर करीब चार बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं, जिनमें से कुछ अदन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और प्रमुख सैन्य ठिकानों के पास गिरीं।



फ्रांस के लियोन में हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद लोग जले हुए सामानों के करीब से गुजरते हुए।

वेनेजुएला में आकाशीय बिजली से होता है रहस्यमयी उजाला

काराकास। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में प्रकृति का एक ऐसा अद्भुत और रहस्यमयी नजारा देखने को मिलता है, जहां साल के अधिकांश दिनों में आसमान में लगातार बिजली चमकती रहती है। यह घटना कैटाटुम्बो लाइटनिंग के नाम से मशहूर है और ऐसा प्रतीत होता है मानो प्रकृति खुद रात के अंधेरे में रोशनी का भव्य शो पेश कर रही हो। यह आश्चर्यजनक नजारा वेनेजुएला के उत्तर-पश्चिम में स्थित माराकाइबो झील और कैटाटुम्बो नदी के मुहाने के आसपास केंद्रित है। उपग्रह डेटा पर आधारित अध्ययनों से पता चलता है कि यह क्षेत्र दुनिया का सबसे सक्रिय बिजली वाला इलाका है, जहां साल में लगभग 300 दिनों तक बिजली की गतिविधियां दर्ज की जाती हैं। इस प्राकृतिक रहस्य का मुख्य कारण कोई अलौकिक शक्ति नहीं, बल्कि वहां की झील, पहाड़ों और हवाओं का एक अनोखा और जटिल संगम है। माराकाइबो झील का पानी वर्ष के बड़े हिस्से में काफी गर्म रहता है, जिससे बड़े पैमाने पर वाष्पीकरण होता है और हवा में नमी का स्तर बढ़ जाता है। जब यह नम हवा ऊपर उठती है, तो विशाल तूफानी बादलों का निर्माण होता है। इस पूरे क्षेत्र को एंडीज पर्वत श्रृंखला की ऊंची चोटियों और घाटियों ने घेर रखा है। विभिन्न दिशाओं से आने वाली नम हवाएं जब पहाड़ों से टकराकर तेजी से ऊपर की ओर उठती हैं, तो यह तूफानी बादलों के बनने में अत्यधिक सहायक होती है।

इसके अतिरिक्त, रात के समय जब जमीन और पहाड़ झील के पानी की तुलना में अधिक तेजी से ठंडे होते हैं, तो स्थानीय हवाओं के प्रवाह में महत्वपूर्ण बदलाव आता है। समुद्र की ओर से आने वाली नम हवाओं के मिलने से यह प्रक्रिया पूरी रात चलती रहती है। इन बादलों के भीतर पानी की बूंदें, बर्फ के कण और ओले आपस में टकराते हैं, जिससे अत्यधिक विद्युत आवेश उत्पन्न होता है और आसमान लगातार रोशनी से जगमगा उठता है। कुछ अध्ययनों में दलदली क्षेत्रों से निकलने वाली मीथेन गैस को भी इसका कारण माना गया था, लेकिन वैज्ञानिकों का मानना है कि हवा, नमी और पहाड़ों की विशेष भौगोलिक स्थिति ही कैटाटुम्बो लाइटनिंग का असली कारण है।

संक्षिप्त समाचार

कश्मीर के नाम पर दुष्प्रचार करने वाले पाकिस्तान को भारत ने फटकारा

जिनेवा। भारत ने संयुक्त राष्ट्र मंच का दुरुपयोग कर दुष्प्रचार फैलाने के लिए पाकिस्तान को कड़ी फटकार लगाई है। नई दिल्ली ने स्पष्ट रूप से कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग है। इसके साथ ही, भारत ने पाकिस्तान से उसके अवैध कब्जे वाले सभी क्षेत्रों को तुरंत खाली करने की मांग भी की। भारत ने अल्पसंख्यकों के अधिकारों और जलवायु परिवर्तन से निपटने की अपनी प्रतिबद्धता को मजबूती से दोहराया। संयुक्त राष्ट्र महासभा की तीसरी समिति में भारत के प्रथम सचिव रघु पुरी ने पाकिस्तान के प्रतिनिधियों को अपने नागरिकों के कल्याण पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को सैन्य निर्देशों पर काम करने के बजाय आत्मनिरीक्षण करना चाहिए। पुरी ने भारत की अल्पसंख्यक प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अल्पसंख्यक अधिकारों की सुरक्षा राज्यों का संप्रभु कर्तव्य है। उन्होंने बताया कि भारत की सांविधानिक सुरक्षाएं धार्मिक और भाषाई अल्पसंख्यकों के लिए विविधता को दर्शाती हैं, जिन्होंने देश के राष्ट्रीय विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। भारत ने पाकिस्तान के अल्पसंख्यकों पर दिए गए दावों को भी खारिज कर दिया और उसे कमजोर समुदायों की रक्षा करने में विफल रहने का आरोप लगाया। भारत ने पहले भी इस्लामाबाद को धार्मिक स्वतंत्रता और अल्पसंख्यकों के उपचार पर नई दिल्ली को उपदेश देने के प्रयासों पर लताड़ा था। प्रथम सचिव भाविका मंगलानंद ने आतंकवादियों के अंतिम संस्कार अधिकारों की वकालत करने वाले एक रिपोर्ट के दृष्टिकोण पर भी अपनी आपत्ति दर्ज कराई थी। जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर, भारत ने संयुक्त राष्ट्र मंच पर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उप सचिव बरखा ताम्रकार ने बताया कि भारत का दृष्टिकोण समानता, जलवायु न्याय और सतत विकास पर आधारित है। भारत जलवायु परिवर्तन को एक गंभीर वैश्विक चुनौती मानता है। उन्होंने कहा कि भारत का दृष्टिकोण संविधान, व्यापक कानून और एक स्वतंत्र न्यायपालिका द्वारा समर्थित है।

सर्बिया में छात्र आंदोलन से बदलाव: 14 साल के राजनीतिक प्रभुत्व का अंत

नोवी साद। सर्बिया में छात्रों के एक शक्तिशाली आंदोलन ने राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुचिच के 14 साल के लंबे शासन का अंत करते हुए देश की राजनीति में एक ऐतिहासिक बदलाव ला दिया है। भ्रष्टाचार और सरकारी लापरवाही के खिलाफ उपजे इस जन आक्रोश ने अंततः देश की पूरी राजनीतिक दिशा को बदल दिया। इस आंदोलन की शुरुआत 1 नवंबर 2024 को हुई, जब नोवी साद शहर के रेलवे स्टेशन के बाहर एक कंक्रीट की छतरी गिरने से 16 लोगों की मौत हो गई। इस त्रासदी ने निर्माण कार्यों में व्यापक भ्रष्टाचार और सरकारी जवाबदेही की कमी को उजागर किया, जिससे जनता में आक्रोश फैल गया। छात्रों ने विश्वविद्यालयों और शहरों में प्रदर्शन शुरू किए, जो धीरे-धीरे पूरे देश में फैल गए और जल्द ही किसान, कलाकार, शिक्षक तथा आम नागरिक भी इसमें शामिल हो गए। इस आंदोलन की अनूठी विशेषता इसका विकेन्द्रीकृत स्वरूप था, कोई स्पष्ट केंद्रीय नेता नहीं था, बल्कि छात्र सभाओं के माध्यम से फैसले लिए जाते थे, जिससे यह सामूहिक भागीदारी पर आधारित रहा। पारंपरिक विपक्षी दलों से हटकर, छात्रों ने अपनी मांगों को किसी एक नेता या पार्टी तक सीमित नहीं रखा। उनका मुख्य जोर भ्रष्टाचार खत्म करने, संस्थाओं को राजनीतिक दबाव से मुक्त करने और कानून के समान पालन पर था। चुनावी राजनीति में भी उन्होंने खुद चुनाव लड़ने के बजाय डॉक्टरों, शिक्षाविदों और अन्य प्रतिष्ठित नागरिकों को स्टूडेंट्स लिस्ट नामक एक गठबंधन के तहत प्रतिनिधित्व दिया।लगातार प्रदर्शनों के कारण सरकार पर दबाव बढ़ा और जनवरी 2025 में प्रधानमंत्री को इस्तीफा देना पड़ा। राष्ट्रपति वुचिच ने शुरुआत में आंदोलनकारियों को सद्भावना रखने वाला बताया, लेकिन बाद में उन पर देश को अस्थिर करने का आरोप लगाया। चुनावों में, वुचिच की दक्षिणपंथी सर्बियन प्रोग्रेसिव पार्टी को स्टूडेंट्स लिस्ट से पिछड़ना पड़ा, जिसके बाद वुचिच ने अपनी हार स्वीकार कर ली।

श्रीलंका ने प्रतिबंधों के बावजूद बीमार ईरानी नाविकों को बचाया

कोलंबो। अमेरिका द्वारा लगाए गए कड़े प्रतिबंधों की चुनौती के बावजूद, श्रीलंका ने मानवीय आधार पर एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। देश के दक्षिणी तट के पास खड़े ईरानी कच्चे तेल के टैंकरों पर सवार 27 नाविकों के बीमार पड़ने पर, श्रीलंकाई नौसेना ने तत्काल उन्हें बचाया और चिकित्सा सहायता प्रदान की। यह घटना ऐसे समय सामने आई है जब ईरान के तेल व्यापार और समुद्री परिवहन पर अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण अन्य देशों के लिए ईरान से जुड़े जहाजों की मदद करना अक्सर मुश्किल हो जाता है। जानकारी के अनुसार, शनिवार दोपहर को बीमार नाविकों को उनके जहाजों से निकालकर गाले बंदरगाह लाया गया। गाले, श्रीलंका की राजधानी कोलंबो से लगभग 115 किलोमीटर दक्षिण में स्थित है। बताया गया है कि श्रीलंकाई विदेश मंत्रालय के हस्तक्षेप के बाद ही नौसेना ने दो नौकाएं तैनात कर नाविकों को तट तक पहुंचाया। बाद में सभी 27 नाविकों को आगे के इलाज के लिए कोलंबो के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनकी बीमारी का सटीक कारण और वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति के बारे में विस्तृत जानकारी अभी तक उपलब्ध नहीं है, लेकिन अधिकारियों ने उनकी तत्काल देखभाल सुनिश्चित की है। यह उल्लेखनीय है कि गाले बंदरगाह के पास ईरान के लगभग 12 खाली तेल टैंकर खड़े हैं। पूर्व में, श्रीलंका ने अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में फंसे ईरानी जहाजों की मदद करने से परहेज किया था। इसका मुख्य कारण अमेरिका द्वारा लगाए जा सकने वाले द्वितीयक प्रतिबंधों का भय था। द्वितीयक प्रतिबंध उन दंडों को संदर्भित करते हैं जो किसी तीसरे देश या उसकी संस्थाओं पर लगाए जा सकते हैं, यदि वे प्रतिबंधित देश के साथ कुछ विशिष्ट व्यापारिक संबंध रखते हैं। हालांकि, इस बार श्रीलंकाई अधिकारियों ने बीमार नाविकों को चिकित्सा सहायता प्रदान करने के अपने निर्णय को एक मानवीय जिम्मेदारी के रूप में उचित ठहराया है, जो अंतरराष्ट्रीय कानूनों के तहत भी अनिवार्य है। यह पहली बार नहीं है जब श्रीलंका ने ऐसी मानवीय सहायता प्रदान की है।

सुपर टाइफून चांपी ने ताइवान और जापान में मचाई तबाही

टोक्यो। प्रशांत महासागर से उठा शक्तिशाली सुपर टाइफून चांपी, इस मौसम के सबसे ताकतवर तूफानों में से एक बन गया है। इसने ताइवान और जापान के दक्षिणी द्वीपों में भारी तबाही मचाने के बाद अब चीन की ओर रुख किया है। अपनी चरम अवस्था में, यह कैटेगरी-5 का तूफान था जिसकी हवा की रफ्तार लगभग 300 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच गई थी, जिससे व्यापक क्षति हुई। हालांकि, बाद में यह कमजोर होकर उष्णकटिबंधीय तूफान की श्रेणी में आ गया, जिसकी हवा की रफ्तार लगभग 102 किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई। तूफान के कारण तेज हवाएं चलीं, मूसलाधार बारिश हुई और कई इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। ताइवान में, तूफान के गंभीर प्रभाव से निपटने के लिए प्रशासन ने 5,000 से अधिक लोगों को उनके घरों से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। तेज हवाओं के कारण बड़े पैमाने पर पेड़ उखड़ गए और बिजली की लाइनें टूट गईं, जिससे करीब 3.40 लाख घरों की बिजली आपूर्ति बाधित हुई थी। अधिकारियों के अनुसार, इनमें से 90 प्रतिशत से अधिक घरों में बिजली बहाल कर दी गई है। 22 अक्टूबर को चेतावनी जारी होने के बाद से अब तक एक व्यक्ति की मौत और 600 से अधिक लोगों के घायल होने की खबर है। इसके अलावा, ताइवान में करीब 1000 उड़ानों को रद्द करना पड़ा, जिनमें 262 घरेलू और 717 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शामिल थीं। तूफान के चीन के पूर्वी तट की ओर बढ़ने के साथ ही शंघाई, जियांग्सू और झेजियांग जैसे कई क्षेत्रों में भारी से बहुत भारी बारिश की आशंका जताई गई है।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान एक-दूसरे पर आतंकियों की मदद अस्थिरता फैलाने के लगा रहे आरोप

इस्लामाबाद। पाकिस्तान और अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के बीच तनाव कम नहीं हो रहा है। पाकिस्तान के कई हवाई हमलों के बाद अब तालिबानी भी जोरदार पलटवार कर रहे हैं। दोनों देशों के बीच सीमा पर कई बार झड़प हो चुकी है। इस बीच पाकिस्तानी सेना फील्ड मार्शल असीम मुनीर के नेतृत्व में एक बड़े गेम प्लान पर काम कर रही है। पाकिस्तानी सेना अफगानिस्तान की पूर्ववर्ती सेना के जवानों और स्थानीय वारलॉर्ड को भर्ती कर रही है ताकि तालिबानी सेना के खिलाफ एक हथियारबंद सेना को खड़ी की जा सके। पाकिस्तानी सेना की इस हरकत से एक बार फिर अफगानिस्तान में गृहयुद्ध का खतरा पैदा हो गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तानी सेना यह कदम तब उठा रही है जब खुद तालिबान को लाने में उसने काफी मदद की थी। पाकिस्तानी सेना और तालिबान के बीच तनाव काफी बढ़ गया है। दोनों देश एक-दूसरे पर आतंकियों की मदद करने और इलाके में अस्थिरता को फैलाने का आरोप लगा रहे हैं। यही नहीं पाकिस्तानी सेना पर आरोप है कि वह बलूचिस्तान के अंदर तालिबानी विरोधी सैनिकों की ट्रेनिंग के लिए ट्रेनिंग कैंप भी बना रही है। बलूचिस्तान के एक पत्रकार ने दावा किया है कि पाकिस्तानी सेना अफगान लड़ाके भर्ती कर रही है और उन्हें बलूचिस्तान में कई जगहों पर तालिबान से जंग की ट्रेनिंग दे रही है।

बर्मिंघम में तूफानी हवाओं में रनवे से फिसला यात्री विमान

बर्मिंघम। बर्मिंघम एयरपोर्ट पर एक बड़ा विमान हादसा होते-होते बचा, जब जेट2 एयरलाइन का एक यात्री विमान लैंडिंग के दौरान रनवे से फिसल गया। यह घटना उस समय हुई जब विमान इटली के वेनिस मार्को पोलो एयरपोर्ट से अपनी नियमित उड़ान पूरी कर बर्मिंघम पहुंच रहा था। विमान में कई यात्री सवार थे, जिनकी जान पायलट की सूझबूझ और कुशलता के कारण बाल-बाल बची। रिपोर्टों के अनुसार, उस दिन ब्रिटेन में स्टॉर्म बोएल्ो का व्यापक असर था, जिसके कारण पूरे क्षेत्र में तूफानी हवाएं चल रही थीं। हवा के झोंकों की रफ्तार लगभग 54 किलोमीटर प्रति घंटा (29 नॉट) तक पहुंच रही थी, जिसने विमान को उतारने के कार्य को अत्यधिक चुनौतीपूर्ण बना दिया था।

अमेरिका के स्कूलों में हिंदू धर्म की सही पढ़ाई के लिए अभियान तेज

वाशिंगटन। अमेरिका में हिंदू धर्म और उसके इतिहास की सही जानकारी स्कूलों में पढ़ाने की मांग तेज हो रही है। हिंदू-अमेरिकी अभिभावक संगठन हिंदू पेरेंट्स नेटवर्क (एचपीएन) शिक्षकों के साथ मिलकर पाठ्यक्रम में हिंदू धर्म की प्रस्तुति को अधिक सटीक, निष्पक्ष और सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील बनाने की दिशा में काम करने में जुटा है। संगठन का दावा है कि न्यू जर्सी में आयोजित एक शिक्षक सम्मेलन में उसके शैक्षणिक संसाधनों को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली।

एचपीएन के मुताबिक, संगठन ने 2026 न्यू जर्सी टीचर्स कॉन्फ्रेंस में 'बदलती दुनिया में हिंदू धर्म की सही और सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील शिक्षा' विषय पर संवादात्मक सत्र आयोजित किया। इसमें करीब 200 शिक्षकों ने हिस्सा लिया। सत्र के दौरान हिंदू धर्म से जुड़ी आम गलत धारणाओं, पाठ्यक्रम में उसकी प्रस्तुति और कक्षाओं में शिक्षकों के सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की गई। संगठन ने अपने समर्थकों को दिए संदेश में कहा कि शिक्षकों ने सही जानकारी पर आधारित शैक्षणिक सामग्री की जरूरत स्वीकार की और व्यावहारिक संसाधनों में रुचि दिखाई। एचपीएन अब अपने अभियान को अमेरिका के अन्य राज्यों तक पहुंचाने के लिए आर्थिक सहयोग जुटा रहा है।

संगठन का कहना है कि वह शिक्षकों के लिए ऐसी अध्ययन सामग्री तैयार करना चाहता है, जिसका कक्षाओं में सीधे इस्तेमाल हो सके। इसके लिए सम्मेलनों और कार्यशालाओं के जरिए शिक्षकों तक पहुंचने तथा स्कूलों के साथ मिलकर गलतफहमियां दूर करने की योजना है। एचपीएन प्राथमिक और माध्यमिक कक्षाओं के लिए 'हिंदूइज्म फॉर स्कूल्स' नाम से मार्गदर्शिका भी उपलब्ध कराता है। इसके अलावा होली जैसे विषयों पर मुफ्त पाठ योजनाएं, स्लाइड और क्विज भी तैयार किए जाते हैं।

अगर ईरान पर हमला हुआ, तो इजराइल को रहने लायक नहीं छोड़ेंगे, नक्शा किया साझा

तेहरान। ईरान और इजराइल के बीच तनाव एक बार फिर चरम पर पहुंच गया है। इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान की मौजूदा सत्ता को गिराने की चेतावनी के जवाब में ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के प्रमुख इब्राहिम अजीजी ने बहुत की खतरनाक चेतावनी जारी की है। उन्होंने दावा किया है कि यदि ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा और हितों पर हमला हुआ, तो इजराइल को एक घंटे से भी कम समय में रहने लायक नहीं छोड़ा जाएगा। इस धमकी के साथ अजीजी ने एक नक्शा भी साझा किया है, जिसमें इजराइल के अहम बुनियादी ढांचों को निशाना बनाने की बात कही गई है, जो युद्ध की स्थिति में आम जीवन पर गंभीर प्रभाव डाल सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अजीजी ने एक्स पर इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के बयान के जवाब में यह पोस्ट की। रिपोर्टों के मुताबिक साझा किए गए नक्शे में इजराइल के कई अहम ठिकानों को दिखाया गया है, जिनमें डिमोना का परमाणु अनुसंधान केंद्र, समुद्री पानी को पीने लायक बनाने वाले समुद्री जल शोधन संयंत्र, बिजलीघर, तेल रिफाइनरी, ईंधन भंडारण केंद्र और प्रमुख पुल व राजमार्ग शामिल हैं। विशेष रूप से, सोरेक, हदेरा, अशदोद और अशकेलोन के जल शोधन संयंत्र, ओरोत राबिन और एश्कोल बिजली संयंत्र, तथा हाइफा और अशदोद की तेल रिफाइनरी और ईंधन भंडारण केंद्र प्रमुख निशानों के तौर पर उभरे हैं।

अमेरिकी वायु सेना में शामिल होंगे 850 आधुनिक एफ-35 लड़ाकू विमान



वॉशिंगटन। वैश्विक तनाव और बढ़ती सुरक्षा चुनौतियों के बीच अमेरिका अपनी वायुसेना की ताकत को अभूतपूर्व स्तर पर ले जाने के लिए एक बड़ा कदम उठा रहा है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन ने देश की प्रमुख एयरोस्पेस कंपनी लॉकहीड मार्टिन के साथ कम से कम 850 एफ-35 स्टेल्थ लड़ाकू विमानों की आपूर्ति के लिए 10 साल का एक व्यापक समझौता तैयार किया है। लगभग 78.2 अरब डॉलर (करीब 71 खरब रुपये) की अनुमानित लागत वाले इस ऐतिहासिक सौदे का मुख्य उद्देश्य अत्याधुनिक फाइटर जेट्स के उत्पादन में तेजी लाना और मौजूदा बेड़े के लंबे समय से चले आ रहे रख-रखाव के संकट का स्थायी समाधान निकालना है। हालांकि, इस महाडील को अंतिम रूप देने के लिए अमेरिकी संसद की मंजूरी और बजटीय आवंटन की आवश्यकता होगी। अमेरिकी सेना पिछले काफी समय से अपने एफ-35 लड़ाकू विमानों के बेड़े को पूर्ण क्षमता के साथ संचालित करने में दिक्कतों का सामना कर रही थी। जानकारों के अनुसार, कलपुर्जों की कमी और समय पर मरम्मत न हो पाने के कारण इन विमानों की मिशन-कैपेबल दर में भारी गिरावट दर्ज की गई थी, जो पिछले कुछ वर्षों में घटकर आधी से भी कम रह गई थी। इस समस्या से निपटने के लिए, नए 10 वर्षीय समझौते में स्पेयर पार्ट्स, मॉडिफिकेशन किट और दीर्घकालिक तकनीकी सहायता को विशेष रूप से शामिल किया गया है। इसके अलावा, निर्माण करने वाली कंपनी ने भी आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने और रिपेयरिंग में होने वाली देरी को खत्म करने के लिए इस कार्यक्रम में अरबों डॉलर के निजी निवेश का भरोसा दिया है। इस समझौते के तहत, अमेरिकी सेना को हर साल औसतन 85 नए लड़ाकू विमान सौंपे जाएंगे, जबकि अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के लिए भी उत्पादन जारी रहेगा, जिससे सालाना कुल 156 फाइटर जेट्स तैयार होंगे। इस लड़ाकू विमान के तीनों स्वरूपों एफ-35ए, वर्टिकल लैंडिंग में सक्षम एफ-35बी और नौसेना के विमान वाहक पोतों के लिए एफ-35सी की कीमतें और विशेषताएं अलग-अलग हैं। अमेरिकी वायुसेना की दीर्घकालिक योजना साल 2035 तक अपने लड़ाकू बेड़े को 1,509 कॉम्बैट जेट्स तक पहुंचाने की है। इस बेड़े में एफ-35ए मुख्य आधार होगा, जबकि पांचवीं पीढ़ी के एफ-22 रैप्टर और भविष्य के एफ-47 के साथ-साथ भरोसेमंद एफ-15 और एफ-16 के उन्नत मॉडल भी बेड़े का हिस्सा बने रहेंगे। इसके अतिरिक्त, अमेरिका आधुनिक युद्ध नीति को ध्यान में रखते हुए मानव रहित तकनीकों पर भी तेजी से काम कर रहा है। वायुसेना की योजना साल 2032 तक 500 स्वचालित ड्रोन विंगमैन को मैदान में उतारने की है। ये आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से लैस ड्रोन लड़ाकू विमानों के साथ उड़ान भरेंगे और इंसानी पायलटों की जान जोखिम में डाले बिना दुश्मन के रडार और एयर डिफेंस सिस्टम को तबाह करने में सक्षम होंगे।

अमेरिका ने होर्मुज के रास्ते 1.5 अरब बैरल कच्चे तेल निर्यात में मदद की : कूपर

वाशिंगटन। अमेरिका की सेंट्रल कमांड प्रमुख एडमिरल ब्रैड कूपर ने दावा किया है कि अमेरिकी सेना ने पिछले छह महीनों में खाड़ी देशों को होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते 1.5 अरब बैरल से अधिक कच्चे तेल के निर्यात में मदद की है। सेंटकॉम के मुताबिक कूपर ने रविवार को अमेरिकी सेना केहेलीकॉप्टर से होर्मुज के ऊपर उड़ान भरकर वहां के परिचालन हालात का जायजा लिया। कमांड ने कहा कि पिछले छह महीनों में उसके सहयोग से 3,000 से अधिक वाणिज्यिक जहाज इस समुद्री मार्ग से गुजर चुके हैं। अमेरिकी सेना का दावा है कि हाल के महीनों में स्ट्रेट से गुजरने वाले 95 फीसदी से ज्यादा जहाज सुरक्षित रहे हैं। कूपर ने कहा कि अमेरिका खाड़ी क्षेत्र के अपने साझेदारों और नौवहन उद्योग के साथ मिलकर समुद्री यातायात को जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यह दौरा होर्मुज के रास्ते निर्बाध नौवहन सुनिश्चित करने के अमेरिकी संकल्प को दर्शाता है। सेंटकॉम के मुताबिक अमेरिकी सेना ने हाल के महीनों में होर्मुज के अंतरराष्ट्रीय नौवहन मार्गों से समुद्री बारूदी सुरंगों को हटाने का अभियान चलाया।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, मंगलवार 27 अक्टूबर 2026
www.rashtriyagarima.com

रहाणे ने अपनी सर्वकालिक टेस्ट एकादश में धवन, द्रविड, धोनी और सचिन को किया शामिल

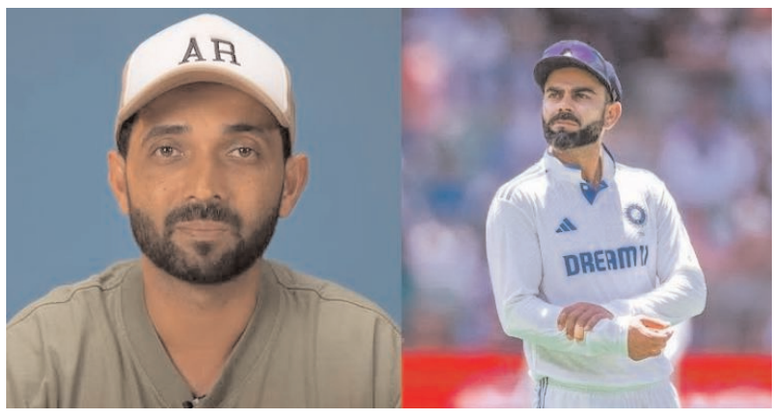

विराट, रोहित और बुमराह को नहीं मिली जगह

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर अजिंक्य रहाणे ने अपनी सर्वकालिक टेस्ट एकादश की घोषणा ही है। रहाणे ने अपनी टीम में सलामी बल्लेबाज के तौर पर मुरली विजय और शिखर धवन को रखा है। वहीं नंबर तीन पर 'द वॉल' राहुल द्रविड़ को जगह मिली, जबकि चौथे नंबर पर महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को रखा हैं। रहाणे ने स्वयं अपने को नंबर पांच पर रखा है जबकि टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को सौंपी गई, जो नंबर छह पर बल्लेबाजी करते हैं। धोनी को कप्तान चुनने का कारण बताते हुए रहाणे ने कहा कि वह उनके पहले अंतरराष्ट्रीय कप्तान थे। हैरानी की बात है कि रहाणे की इस टीम में रोहित शर्मा और विराट कोहली के अलावा तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और चैतेश्वर पुजारा जैसे दिग्गजों को जगह नहीं मिली है। इसके लेकर रहाणे का कहना है कि उन्होंने केवल उन्हीं खिलाड़ियों को शामिल किया है जिनके साथ उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू करियर में खेला है। वहीं रवींद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन की जोड़ी को स्पिन गेंदबाजी और ऑल-राउंडर विकल्पों के रूप में शामिल किया गया, जो अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों से मैच का रुख पलटने की क्षमता रखते हैं। तेज गेंदबाजी आक्रमण की कमान भुवनेश्वर कुमार, मोहम्मद शमी और इशांत शर्मा को सौपी है। यह तीनों गेंदबाज उस भारतीय टीम का अभिन्न हिस्सा थे जिसने 2018 के बाद से तेज गेंदबाजी पर विशेष ध्यान देना शुरू किया और विदेशी धरती पर भारत को कई यादगार टेस्ट जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। यह तिकड़ी अपनी गति, स्विंग और सटीकता के लिए जानी जाती थी।यह स्वाभाविक था कि जब इस एकादश में विराट र रोहित से आधुनिक युग के दो सबसे बड़े नामों को नहीं देखा गया, तो क्रिकेट प्रशंसक और विशेषज्ञ दोनों ही आश्चर्यचकित रह गए। जिसके लिए रहाणे ने कहा कि उन्हीं को इस टीम में रखा गया है जो उनके साथ खेले थे। गौरतलब है कि रहाणे ने इसी साल जुलाई में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया था। वहीं संन्यास के बाद, विराट ने सोशल मीडिया पर रहाणे की जमकर तारीफ की थी। कोहली ने लिखा था कि रहाणे उनके सबसे पसंदीदा टेस्ट बल्लेबाजी पार्टनर और स्लिप में सबसे सुरक्षित जोड़ीदार थे, और उन्होंने भारतीय क्रिकेट के लिए शानदार योगदान दिया है। यह इस बात का प्रमाण है कि मैदान पर भले ही रहाणे ने अपनी विशेष एकादश में कुछ खिलाड़ियों को शामिल न किया हो, लेकिन आपसी सम्मान और भाईचारा हमेशा बना रहता है।

न्यूजीलैंड के कोच वाल्टर को सीरीज में वापसी की है उम्मीद

वैलिंगटन। न्यूजीलैंडक्रिकेट टीम के मुख्य कोच रॉब वाल्टर भारतीय टीम के खिलाफ पहले दोनो टी20 मुकाबले में हार के बाद भी निराश नहीं हैं। वाल्टर को उम्मीद है कि उनकी टीम अब भी इस सीरीज में वापसी कर सकती है। कोच ने माना है कि उनकी टीम ने दोनों ही मुकाबलों में अच्छी शुरुआत की पर किस्मत ने उसका साथ नहीं दिया। उन्होंने कहा कि टीम ने कुछ महत्वपूर्ण मौकों को गंवाया, जिसके कारण परिणाम उनके पक्ष में नहीं रहा। वाल्टर के अनुसार पहले दोनो ही मैचों में उनकी टीम अधिकतर समय तक मुकाबले में बनी हुई थी और उसके पास अवसर भी था पर वह उसका लाभ नहीं उठा पायी। हालांकि उन्होंने यह भी माना है कि अहम क्षणों में टीम को अपने खेल में सुधार करने की जरुरत है। साथ ही कहा कि दूसरे मैच के दौरान हमने फील्डिंग अच्छी नहीं की जिससे कई कैच गिरे। इसके अलावा, एक नो-बॉल होने से भारतीय बल्लेबाज को आउट नहीं दिया गया जिसके कारण ही मैच उनके हाथ से निकल गया। वाल्टर ने माना है कि कि कोई भी खिलाड़ी जानबूझकर ऐसी गलतियाँ नहीं करता। ये अनजाने में हो जाती हैं, लेकिन अक्सर इनकी कीमत चुकानी पड़ती है। उन्होंने इन गलतियों को टीम के लिए एक सबक बताया है। हार के बावजूद, वाल्टर ने दूसरे मैच में टीम के जुझारू प्रदर्शन से संतुष्टि व्यक्त की। उन्होंने कहा कि पावरप्ले में तीन विकेट गंवाने के बाद भी 180 रन का सम्मानजनक स्कोर खड़ा करना टीम के बल्लेबाजी क्रम की गहराई और लचीलेपन को दर्शाता है। उन्होंने कप्तान मिचेल सैंटनर के शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन की भी जमकर तारीफ की, जिन्होंने चार विकेट लेकर मैच का रुख मोड़ने का प्रयास किया। वाल्टर ने कहा कि सैंटनर के प्रदर्शन को कभी-कभी उतनी सराहना नहीं मिलती है जितनी मिलनी चाहिए, खासकर जब उन्होंने थोड़ी बहुत उछाल वाली और ज्यादा टर्न न लेने वाली पिच पर अपनी गति और नियंत्रण का शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड टीम अब अपनी गलतियों से सीखकर अगले मैचों में बेहतर प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगी।

विराट-अनुष्का कृष्णा दास के कीर्तन में भक्ति में लीन दिखे

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी एकदिवसीय सीरीज की तैयारियों के बीच ही आध्यात्म के लिए भी समय निकाल ही लेते हैं। हाल ही में विराट अपनी पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ मुंबई में आयोजित अमेरिकी संगीतकार कृष्णा दास के लाइव कीर्तन कॉन्सर्ट में भी भक्ति में लीन दिखे। कृष्णा दास, अपने अनूठे संगीत के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध हैं, जहां वे पारंपरिक भारतीय भजनों को पश्चिमी धुनों के साथ एक मिलाकर प्रस्तुत करते हैं। उनकी इस विशिष्ट शैली ने दुनिया भर के श्रोताओं को कीर्तन के इस आधुनिक और आकर्षक रूप का प्रशंसक बनाया है। मुंबई के इस कार्यक्रम में, विराट और अनुष्का दोनों को भक्ति में रमे देखा गया। उनकी उपस्थिति ने न केवल इस आध्यात्मिक सभा में चार चांद लगाए, बल्कि उनके प्रशंसकों के लिए भी प्रेरणा स्रोत बनी हैं। गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं है जब विराट और अनुष्का कृष्णा दास के भक्तिमय कीर्तन में शामिल हुआ है। इससे पहले, पिछले वर्ष लंदन के यूनियन चैपल में आयोजित ऐसे ही एक कार्यक्रम में उन्होंने शिरकत की थी। इसके अलावा, जब भी उन्हें अपने व्यस्त कार्यक्रम से समय मिलता है वह वृंदावन में पूजनीय प्रेमानंद महाराज जी के आश्रम भी जाते हैं, जो उनकी गहन आध्यात्मिक यात्रा का एक अटूट हिस्सा है। विराट लिए यह समय विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि वे न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज की तैयारियों में लगे हैं। यह सीरीज 4 नवंबर से 15 नवंबर तक चलेगी और आगामी विश्व कप की तैयारियों के लिए अहम मानी जा रही है।

एसए20 लीग के पांच सत्र में खेलते दिखेंगे कई दिग्गज क्रिकेटर

जोहांसबर्ग। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट लीग एसए20 लीग का पांचवां सत्र सत्र क्रिकेट प्रेमियों के लिए विशेष रहेगा। इसमें कई बड़े अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी खेलते नजर आयेंगे। इस सत्र में ऑस्ट्रेलिया के टी20 कप्तान मिचेल मार्श से लेकर इंग्लैंड के ऑलराउंडर कुरेन खेलते दिखें। इन क्रिकेटरों के होने से लीग की लोकप्रियता और रोमांच का स्तर बढ़ेगा। मार्श तीन बार की चैम्पियन सनराइजर्स ईस्टर्न केप के साथ जुड़कर एसए20 में अपनी नई पारी शुरु करेंगे। सनराइजर्स के पास पहले से ही क्विंटन डिकॉक, मैथ्यू ब्रीज्के, जॉर्डन हरमान और कप्तान ट्रिस्टन स्टब्स जैसे दमदार बल्लेबाज मौजूद हैं, जिससे उनकी बल्लेबाजी लाइनअप और मजबूत हो गई है। वहीं, इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर सैम कुरेन अब मुंबई इंडियंस केपटाउन की जगह डरबन सुपर जाइंट्स के लिए खेलेंगे। वह अपनी राष्ट्रीय टीम के साथी जोस बटलर के साथ सुपर जाइंट्स टीम का हिस्सा होंगे, जो निश्चित रूप से टीम को एक नई गति प्रदान करेगा।वहीं पिछले सत्र की उपविजेता प्रिटोरिया कैपिटल्स ने भी अपनी टीम में अहम बदलाव किए हैं। उन्हें शीर्ष क्रम में इंग्लैंड के विस्फोटक बल्लेबाज फिल साल्ट और ऑस्ट्रेलिया के मैट शॉर्ट जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी मिल गए हैं। कैपिटल्स के पास पहले से ही डेवाल्ड ब्रेविस, शेरफान रदरफोर्ड, आंद्रे रसेल और कोनोर ईस्टरहुइजेन जैसे आक्रामक बल्लेबाज मौजूद हैं, जिससे उनकी बल्लेबाजी और भी जबरदस्त दिख रही है। वहीं इग्लैंड के एक और ऑलराउंडर विल जैक्स अब कैपिटल्स से एमआई केपटाउन टीम में शामिल हो गए हैं। एसए20 लीग के कमिश्नर और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ ने इन बड़े खिलाड़ियों की मौजूदगी पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि मिचेल मार्श, सैम कुरेन और फिल साल्ट जैसे विश्व स्तरीय खिलाड़ियों का लीग में शामिल होना इसकी बढ़ती लोकप्रियता को दिखाता है। गौरतलब है कि एसए20 का अगला सत्र 17 जनवरी से शुरू होगा और क्रिकेट प्रशंसकों को लगभग एक महीने तक जोरदार मुकाबले देखने को मिलेंगे। लीग का फाइनल मुकाबला 21 फरवरी को केपटाउन में खेला जाएगा, जहाँ विजेता टीम ट्रॉफी उठाएगी।

रियल मैड्रिड की ओर 100 गोल करने के बाद बोले एमबाप्पे, ये अभी शुरुआत है

बार्सिलोना। फ्रांस के स्टार फॉरवर्ड किलियन एमबाप्पे ने यहां ला लीगा फुटबॉल में अपने 100 गोल पूरे कर एक अहम उपलब्धि हासिल की है। एमबाप्पे ने रियल मैड्रिड की ओर से खेलते हुए एफसी बार्सिलोना के खिलाफ दो गोल कर अपनी टीम को 2-1 से जीत के दौरान ही अपने 100 गोल पूरे किये हैं। इस सफलता के बाद एमबाप्पे ने कहा कि ये तो अभी शुरुआत है आने वाले समय में तो क्लब के लिए कई और गोल होने हैं। उन्होंने अपने 116वें मैच में यह मुकाम हासिल किया, जो उनकी असाधारण खेल क्षमता का प्रमाण है। रियल मैड्रिड की ओर से 100 गोल पूरे करने के बाद एमबाप्पे ने खुशी जताते हुए कहा, मैं बहुत खुश हूं। सभी जानते हैं कि मुझे गोल करना और इस तरह टीम की सहायता करना पसंद है। उन्होंने इसके साथ ही यह भी जोड़ा कि यह उनके लिए बस एक छोटी सी बात है। साथ ही कहा, सबसे अहम चीज टीम की जीत और पूरी टीम की मेहनत है। इस जीत से टीम का मनोबल बढ़ेगा, और आगे भी कई गोल होंगे, इसलिए यह कोई बहुत बड़ी बात नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस मैच के असली हीरो पूरी टीम और सभी खिलाड़ी हैं, जिन्होंने एक मजबूत खेल दिखाया और एकजुट होकर प्रदर्शन किया। एमबाप्पे ने कहा कि टीम ने सकारात्मक सोच के साथ मैदान पर उतरकर अपना पूरा जोर लगा दिया। एमबाप्पे के रियल मैड्रिड की ओर से 100 गोलों में लीग में 67, चैंपियंस लीग में 25, कोपा डेल रे में 4, क्लब विश्व कप में 2, यूईएफए सुपर कप में 1 और स्पेनिश सुपर कप में 1 गोल शामिल हैं। क्लब के साथ अपने पहले सत्र में उन्होंने 44 गोल किए थे, पिछले सीजन में 42 गोल दागे, और इस सीजन में अब तक 14 गोल किये हैं। 2024/25 सीजन में अटलांटा के खिलाफ यूईएफए सुपर कप फाइनल में रियल मैड्रिड के लिए अपना पहला गोल करने के बाद से ही एमबाप्पे ने कई बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। इनमें 2024/25 का गोल्डन बूट और दो पिचिची ट्रॉफियां (2024/25 और 2025/26) शामिल हैं।



चीन में इंटरनेशनल सकूल स्पोर्टस फेडरेशन के विश्वकप फुटबॉल जीतने के बाद क्रोशियाई टीम जश्न मनाती हुई।

व्यापार समाचार

संक्षिप्त समाचार

वॉकी-टॉकी बिक्री में बड़ी लापरवाही, 12 कंपनियों पर 58 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली। उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने वॉकी-टॉकी की ऑनलाइन बिक्री में ग्राहकों को गुमराह करने और आवश्यक जानकारी न देने के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई की है। प्राधिकरण ने होगार टेक्नोलॉजीज सहित कुल 12 कंपनियों पर 58 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है, जिसमें अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसे दिग्गज भी शामिल हैं। सीसीपीए ने वॉकी-टॉकी बेचने वाली कंपनी होगार टेक्नोलॉजीज पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। कंपनी पर आरोप है कि उसने अपनी वेबसाइट पर उत्पाद लिस्टिंग में डिवाइस की रेडियो फ्रीक्वेंसी, लाइसेंस की आवश्यकता और आवश्यक अनुमोदनों की जानकारी स्पष्ट रूप से नहीं दी, जिससे उपभोक्ता यह मान सकते थे कि बिना अनुमति उपयोग कर सकते हैं, जबकि कुछ को लाइसेंस अनिवार्य है। होगार की दलीलें सीसीपीए ने खारिज कर दीं। यह कार्रवाई केवल होगार तक सीमित नहीं है। सीसीपीए ने ऑनलाइन वॉकी-टॉकी बिक्री में जानकारी की कमी पर व्यापक जांच शुरू की। जांच में 16,970 से अधिक ऐसी लिस्टिंग मिलीं, जिनमें जरूरी जानकारी का अभाव था। अमेजन, फ्लिपकार्ट, मीशो, मेटा सहित 13 ई-कॉमर्स को नोटिस जारी हुए, और अब तक 12 कंपनियों पर कुल 58 लाख रुपये का जुर्माना लगा। अमेजन, फ्लिपकार्ट, मीशो और मेटा जैसे दिग्गजों पर 10-10 लाख रुपये, जबकि जियोमार्ट और होगार पर 1-1 लाख रुपये का जुर्माना लगा है। यह कार्रवाई दर्शाती है कि ग्राहकों को उत्पादों से संबंधित सभी आवश्यक जानकारी देना कंपनियों की अनिवार्य जिम्मेदारी है।

सरकार चार सरकारी बैंकों में घटाएगी हिस्सेदारी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, यूको बैंक, पंजाब एंड सिंध बैंक और इंडियन ओवरसीज बैंक में अपनी हिस्सेदारी घटाकर 75 फीसदी करने की योजना बना रही है। यह पहल बाजार नियामक सेबी के उस अनिवार्य नियम का पालन करने के लिए की जा रही है, जिसके तहत शेयर बाजार में सूचीबद्ध कंपनियों में कम से कम 25 फीसदी हिस्सेदारी आम जनता के पास होना आवश्यक है। वर्तमान में इन चारों सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में सरकार की हिस्सेदारी 75 फीसदी से काफी अधिक है। नियामक के दिशानिर्देशों का पालन करने के लिए, सरकार ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के माध्यम से अपनी अतिरिक्त हिस्सेदारी बेचेगी। इसके अतिरिक्त, बैंक खुद भी क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट जैसे तरीकों का उपयोग करके बाजार से फंड जुटा सकते हैं, जो मुख्य रूप से संस्थागत खरीदारों के लिए होगा। बैंक-वार हिस्सेदारी घटाने का विवरण इस प्रकार है-

1. सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया- सरकार की मौजूदा 81.19 फीसदी हिस्सेदारी को 75 फीसदी पर लाने के लिए लगभग 6.2 फीसदी हिस्सेदारी बेची जाएगी।

2. यूको बैंक- इसमें सरकार की 90.95 फीसदी हिस्सेदारी है, जिसे 75 फीसदी के स्तर पर लाने के लिए करीब 16 फीसदी हिस्सेदारी कम करनी होगी। यह ओएफएस और क्यूआईपी दोनों तरीकों से हो सकता है।

3. पंजाब एंड सिंध बैंक- यहां सरकार की हिस्सेदारी 93.85 फीसदी है, जिसके कारण लगभग 19 फीसदी हिस्सेदारी बेचने की आवश्यकता होगी।

4. इंडियन ओवरसीज बैंक- बैंक में सरकार की 92.44 फीसदी हिस्सेदारी है, जिससे उसे अपनी हिस्सेदारी में लगभग 17.44 फीसदी की कटौती करनी होगी ताकि सेबी के न्यूनतम पब्लिक शेयरहोल्डिंग नियमों का पालन किया जा सके।

अक्टूबर के आखिरी हफ्ते में खुलेंगे तीन एनएफओ

पावर, रियल्टी और डेट सेक्टर में निवेश का मौका



नई दिल्ली। अक्टूबर का आखिरी सप्ताह निवेशकों के लिए कई नए विकल्प लेकर आ रहा है। इस दौरान आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल, कोटक और यूटीआई म्यूचुअल फंड अपनी तीन नई स्कीमें (न्यू फंड ऑफर ङ्क एनएफओ) लॉन्च करेंगे। ये एनएफओ पावर, रियल एस्टेट और फाइनेंशियल सर्विसेज जैसे महत्वपूर्ण सेक्टर्स पर केंद्रित हैं, जो निवेशकों को अलग-अलग जोखिम प्रोफाइल और रिटर्न की संभावनाओं के साथ निवेश का मौका देंगे। न्यूनतम 500 रुपए से निवेश शुरू किया जा सकता है, लेकिन हर स्कीम की अपनी अनूठी रणनीति और जोखिम स्तर है, जिसे समझना जरूरी है।

1. आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल बीएसई पावर ईटीएफ- आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल बीएसई पावर ईटीएफ 26 से 30 अक्टूबर, 2026 तक खुला रहेगा। यह एक ओपन-एंडेड इक्विटी थीमैटिक एनर्जी स्कीम है, जो बीएसई पावर टीआरआई के कुल रिटर्न के अनुरूप प्रदर्शन करने का लक्ष्य रखती है। न्यूनतम 1,000 रुपये के निवेश से शुरू होने वाली इस स्कीम में कोई लॉक-इन या एग्जिट लोड नहीं है, लेकिन रिस्कोमीटर पर इसे बहुत ज्यादा जोखिम की श्रेणी में रखा गया है। ट्रैकिंग एरर के कारण स्कीम का रिटर्न बेंचमार्क से अलग हो सकता है।

2. कोटक निफ्टी रियल्टी इंडेक्स फंड- इसी कड़ी में, कोटक म्युचुअल फंड का कोटक निफ्टी रियल्टी इंडेक्स फंड भी 26 अक्टूबर को खुलेगा और 9 नवंबर, 2026 तक उपलब्ध रहेगा। यह ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम निफ्टी रियल्टी टीआरआई को ट्रैक करेगी और रियल एस्टेट सेक्टर की कंपनियों में निवेश करेगी। इसमें न्यूनतम 1,000 रुपये का निवेश किया जा सकता है और यह भी बहुत ज्यादा जोखिम वाली श्रेणी में आता है, जिसमें ग्रोथ और इनकम डिस्ट्रीब्यूशन कम कैपिटल विदड्रॉल (आईडीसीडब्ल्यू) विकल्प उपलब्ध हैं।

3. यूटीआई फाइनेंशियल सर्विसेज डेट फंड- तीसरी पेशकश, यूटीआई म्युचुअल फंड की यूटीआई फाइनेंशियल सर्विसेज डेट फंड, 27 अक्टूबर से 2 नवंबर, 2026 तक निवेशकों के लिए उपलब्ध होगी। यह एक ओपन-एंडेड डेट स्कीम है, जिसका उद्देश्य फाइनेंशियल सर्विसेज सेक्टर से जुड़ी संस्थाओं की डेट और मनी मार्केट सिक्योरिटीज में निवेश कर बेहतर रिटर्न देना है। न्यूनतम 500 रुपये से निवेश योग्य यह स्कीम मध्यम जोखिम की कैटेगरी में है, जो कम अवधि के निवेश के लिए उपयुक्त हो सकती है।

म्युचुअल फंड में नए निवेशकों की रफ्तार सुस्त

एनएफओ से जुटाई रकम पांच साल के निचले स्तर पर

नई दिल्ली। म्युचुअल फंड उद्योग में नए निवेशकों के जुड़ने की रफ्तार लगातार दूसरे साल भी धीमी बनी हुई है। वित्तीय वर्ष 2026 में सितंबर तक, शेयर बाजारों में कमजोरी और नए फंड शुरू होने की गति में धीमेपन के बावजूद, इस उद्योग से केवल 44 लाख नए निवेशक जुड़े हैं। यह कोविड से प्रभावित वर्ष 2020 के बाद से सबसे धीमी रफ्तार है, जब उद्योग में केवल 10 लाख नए निवेशक जुड़े थे। सितंबर 2026 के अंत में, उद्योग में पंजीकृत यू?निक फंड निवेशकों (पैन) की कुल संख्या 6.33 करोड़ थी। आमतौर पर फंड निवेशकों की संख्या में वृद्धि, साथ ही फोलियो और प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियों (एयूएम) जैसे आंकड़े शेयर बाजार के प्रदर्शन पर निर्भर करते हैं। 2021 और 2024 में जब शेयर बाजार में जोरदार तेजी आई थी, तब म्युचुअल फंड कंपनियों ने लगभग एक-एक करोड़ नए निवेशक जोड़े थे। कोविड के बाद के बाकी वर्षों में यह संख्या लगभग 50-60 लाख रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, 2026 में बढ़ोतरी भले ही कम लग रही हो, लेकिन यह उद्योग की औसत वृद्धि दर के काफी करीब है। बाजार का प्रदर्शन अहम पैमाना है, लेकिन नए निवेशकों का जुड़ना म्युचुअल फंड कंपनियों द्वारा लॉन्च किए जाने वाले नए फंडों पर भी निर्भर करता है। पिछले दो वर्षों में नए फंड लॉन्च करने की संख्या और उनमें निवेशकों की रुचि दोनों में कमी आई है। अप्रैल-जून 2026 की तिमाही में नए फंड ऑफरिंग (एनएफओ) से मिलने वाली रकम गिरकर पांच साल के निचले स्तर, लगभग 1,759 करोड़ रुपये पर आ गई है। कड़े नियमों के कारण थीमैटिक फंड लॉन्च कम हो गए हैं, जो पहले बड़ी संख्या में नए पैन निवेशकों को आकर्षित करते थे।

नेपाल ने भारत को 3.9 करोड़ डॉलर की बिजली का निर्यात किया

काठमांडू। नेपाल ने मध्य सितंबर से मध्य अक्टूबर के बीच भारत को 3.9 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक मूल्य की बिजली का निर्यात किया। एक स्थानीय मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। नेपाल विद्युत प्राधिकरण (एनईए) के एक अ?धिकारी ने कहा कि अगस्त में अचानक बाढ़ के कारण आई मामूली बाधा के बाद इस अवधि के दौरान बिजली का निर्यात फिर से पटरी पर आ गया है। नेपाल-तिब्बत सीमा के पास ऊपरी हिमालय में 26 अगस्त को बर्फ और चट्टान के खिसकने से आई अचानक बाढ़ ने उत्तरी और मध्य नेपाल में कस्बों और गांवों को तहस-नहस कर दिया था।

सोने का भाव 1,42,450 रुपए, चांदी 1,96,350 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली। पिछले सप्ताह जोरदार बिकवाली के दबाव में सोने चांदी की कीमतें काफी गिर गई थी। जिससे इस सप्ताह के पहले दिन सोमवार को निचले स्तर पर खरीद से इनकी शुरुआत तेजी के साथ हुई। हालांकि अभी भी सोना तीन के माह के निचले स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि चांदी 2 लाख रुपये से नीचे कारोबार कर रही है। सोमवार को ग्लोबल मार्केट कॉमेक्स पर सोने के वायदा भाव 4,025 डॉलर प्रति औंस के करीब, जबकि चांदी 54.30 डॉलर प्रति औंस के करीब कारोबार कर रही थी। घरेलू मार्केट एमसीएक्स पर खबर लिखे जाने के समय सोने के वायदा भाव 1,42,450 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,96,350 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे।सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट 277 रुपये की तेजी के साथ 1,42,301 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 1,42,024 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 416 रुपये की तेजी के साथ 1,42,440 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही।



छत्तीसगढ़ भाजपा की प्रदेश प्रभारी की जिम्मेदारी संभालने के बाद स्मृति ईरानी अपने पहले दौरे पर रायपुर पहुंचीं।

ग्लांस को एल कैटरटन से मिला निवेश, एजेंटिक कॉमर्स में नया मुकाम

नई दिल्ली। जियो प्लेटफॉर्म्स समर्थित स्वदेशी एआई एजेंटिक कॉमर्स मंच ग्लांस ने उपभोक्ता क्षेत्र पर केंद्रित वैश्विक निवेश कंपनी एल कैटरटन से नई इक्विटी शेयर जारी कर अघोषित राशि जुटाई है। सोमवार को इसकी घोषणा करते हुए कंपनी ने इस निवेश को अपने अभिनव एजेंटिक शॉपिंग मॉडल की पुष्टि बताया, जो वाणिज्य के भविष्य को आकार देने पर केंद्रित है। इनमोबी और ग्लांस के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने कहा, एल कैटरटन उपभोक्ता क्षेत्र की सबसे प्रतिष्ठित निवेश कंपनियों में से एक है। ग्लांस में उसका निवेश हमारे बनाए खरीदारी मॉडल की पुष्टि करता है। हमारा मानना है कि वाणिज्य का भविष्य खोज के दायरे से आगे बढ़कर एजेंटिक शॉपिंग की ओर जाएगा। एल कैटरटन के एक अ?धिकारी ने कहा कि एजेंटिक कॉमर्स उपभोक्ताओं के उत्पादों को खोजने और खरीदने के तरीके में बुनियादी बदलाव ला रहा है, जिससे उन ब्रांडों के लिए बड़े अवसर पैदा हो रहे हैं जो खरीदारी की प्रक्रिया को अधिक व्यक्तिगत, सहज और आकर्षक बना सकते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि ग्लांस इस बदलाव का लाभ उठाने के लिए विशिष्ट स्थिति में है। ग्लांस ने काफी समय बाद यह नई पूंजी जुटाई है। कंपनी ने इससे पहले फरवरी 2022 में जियो प्लेटफॉर्म्स से 20 करोड़ डॉलर और दिसंबर 2020 में गूगल तथा मिथ्रिल कैपिटल से 14.5 करोड़ डॉलर का निवेश प्राप्त किया था। एजेंटिक कॉमर्स से तात्पर्य कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित एजेंटों द्वारा उपभोक्ता की जरूरत के अनुसार खरीदारी में मदद करने से है।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, मंगलवार 27 अक्टूबर 2026
www.rashtriyagarima.com

व्यक्ति को समय का श्रेष्ठतम उपयोग कर आगे बढ़ना चाहिए : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने जामली (सेंधवा) के गायत्री धाम में किया योगाभ्यास

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने मनुष्य का जन्म लेना और जीवन यात्रा पूर्ण करना,सब ईश्वर की कृपा से निर्धारित समय का हिस्सा है। महाकाल,भगवान श्रीकृष्ण और माँ गायत्री की कृपा से हमें जो जीवन मिला है, उसका अधिकतम सदुपयोग करना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन के समय का श्रेष्ठतम उपयोग करते हुए अच्छे कार्य करने और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का प्रयास करना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ.यादव सोमवार सुबह बड़वानी जिले के जामली (सेंधवा) के गायत्री धाम में गायत्री परिवार के सदस्यों के साथ योगाभ्यास किया। उन्होंने योग,आध्यात्मिक चेतना,सकारात्मक विचारों और स्वस्थ जीवनशैली के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी को सद्भावना एवं सत्कर्मों के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि शरद पूर्णिमा के साथ आज से वास्तव में दीपावली का शुभारंभ हो गया है। परमात्मा ने हम सभी के मन में जो दीप प्रज्वलित किया है,वह जीवन भर ऊर्जा का स्रोत बना रहे। हमारा शरीर जब तक साथ दे,तब तक हमारे हाथों से सत्कर्म होते रहें, मन में सद्भावना बनी रहे और दुर्विचार समाप्त हों। उन्होंने सभी को शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने भारतीय दर्शन के प्रसिद्ध वैदिक वाक्य 'यत् पिण्डे तत् ब्रह्माण्डे' का उल्लेख करते हुए कहा कि जो तत्व हमारे शरीर में विद्यमान हैं,उन्हीं का व्यापक स्वरूप ब्रह्मांड में भी दिखाई देता है। प्रकृति,वनस्पति,पंचतत्व और प्राणतत्व का मानव जीवन में विशेष महत्व है।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने महर्षि वाल्मीकि जयंती पर किया नमन



भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आदिकवि महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा कि महर्षि वाल्मीकि की कृतियां श्रद्धा-भक्ति के अनंत सागर के समान हैं, जो ईश्वर के प्रति समर्पण के पथ पर परम आनंद प्रदान करती हैं। वहीं मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने स्वतंत्रता सेनानी और भारतीय पत्रकारिता के पुरोधा गणेश शंकर विद्यार्थी को जयंती पर स्मरण किया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने अपने संदेश में कहा कि गणेश शंकर विद्यार्थी का व्यक्तित्व देशभक्ति-प्रखर चिंतन और कर्तव्यनिष्ठा की त्रिवेणी था,जो युवाओं को सदैव प्रेरणा देता रहेगा। साथ ही मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने महान संत, श्री श्री 1008 गुरु टेकचंद जी महाराज के समाधि दिवस पर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने अपने संदेश में कहा है कि त्याग-तपस्या-भक्ति और ज्ञान से परिपूर्ण गुरु टेकचंद जी महाराज का जीवन समाज को आध्यात्मिक चेतना,सेवा, सद्भाव और एकता का संदेश देता है। उनके विचार और आदर्श सदैव मानवता के कल्याण और सन्मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते रहेंगे। उल्लेखनीय है कि पूजनीय संत टेकचंद जी महाराज के करछा-उज्जैन स्थित गुरूधाम में शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर गुरूदेव का समाधि दिवस मनाया जाता है।

ऑनलाइन बुकिंग के साथ अब ऑफलाइन टिकट पर भी मिलेगा बीमा

रेलवे यात्रियों को आज से मिलेगा मात्र 45 पैसे में 10 लाख रूपए का बीमा



भोपाल। अब रेलवे के रिजर्वेशन काउंटर से टिकट लेने वाले यात्री भी 45 पैसे के प्रीमियम पर 10 लाख तक का यात्रा बीमा ले सकेंगे। 27 अक्टूबर से देशभर के सभी आरक्षण काउंटरों पर यह विकल्प मिलेगा। अभी तक यह सुविधा केवल आईआरसीटीसी से ऑनलाइन टिकट बुक करने वाले यात्रियों को मिलती थी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद रेलवे ने ऑफलाइन टिकट लेने वाले यात्रियों के लिए भी बीमा का विकल्प उपलब्ध कराने की व्यवस्था की है। यह सुविधा भोपाल रेल मंडल के आरक्षण काउंटरों पर भी मिलेगी। बीमा लेना वैकल्पिक होगा। जून 2023 में ओडिशा में हुए रेल हादसे के बाद सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। इसमें रेल हादसों को रोकने के लिए सुरक्षा प्रणाली लागू करने और हादसों की जांच के लिए कमेटी बनाने की मांग की गई थी। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने यात्रियों की सुरक्षा से जुड़े अन्य मुद्दों पर भी ध्यान दिया। इनमें स्टेशनों पर फुट ओवरब्रिज,पटरियों के आसपास जाली लगाने और काउंटर से टिकट लेने वाले यात्रियों को बीमा का विकल्प नहीं मिलने जैसे मुद्दे शामिल थे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बड़ी संख्या में यात्री स्टेशन काउंटरों से टिकट लेते हैं। रेलवे को इन यात्रियों के लिए बीमा की सुविधा उपलब्ध कराने का पर्याप्त समय दिया गया था,लेकिन इस दिशा में कदम नहीं उठाए गए। इसलिए कल 27 अक्टूबर 2026 से काउंटर से आरक्षित टिकट लेने वालों को भी बीमा का विकल्प देना अनिवार्य किया गया है। यह फैसला जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस आर.महादेवन की बेंच ने सुनाया। मामले में अगली सुनवाई 16 नवंबर 2026 को होगी। भोपाल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने यात्रियों से टिकट बनवाते समय सही मोबाइल नंबर दर्ज कराने और डिजिटल भुगतान करने की अपील की।

कूनो में चीते को ग्रामीणों ने लाठियों से जमकर पीटा,हालत बनी गंभीर

भोपाल। कूनो नेशनल पार्क के एक चीते पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। बछड़ों के शिकार के बाद चीते पर हमला किए जाने की बात सामने आई है। ग्रामीणों के हमले में चीता गंभीर रूप से घायल है। कूनो नेशनल पार्क के फील्ड डायरेक्टर और आईएफएस अधिकारी उत्तम कुमार शर्मा ने चीते पर हमले की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि चीते का अभी उपचार चल रहा है। बता दें कि,कूनो नेशनल पार्क के बमोरी गांव में रविवार सुबह करीब 5 बजे दो चीते गांव के बाहर बने एक मकान में घुस गए थे और आंगन में बंधे गाय के दो बछड़ों का शिकार कर लिया था। बछड़ों के चिल्लाने की आवाज सुनकर टपरी में खटिया पर सो रहे सोमलावीर सिंह और उनकी पत्नी की नींद खुली। बताया जाता है कि चीतों को देखकर दंपती कुछ देर सांसें थामे लेटे रहे और मौका मिलते ही जान बचाकर वहां से भागे। शुरुआती सूचना के मुताबिक,ग्रामीणों ने बाद में एकत्र होकर चीतों को जंगल की ओर खदेड़ दिया था। चीतों के हमले में दोनों बछड़ों की मौत हो गई। इस मामले में सोमवार को यह बात सामने आई कि कूनो के एक चीते पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया था। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हालांकि,अधिकारी अभी चीते की मौत से इनकार कर रहे हैं। कूनो नेशनल पार्क के डायरेक्टर उत्तम कुमार शर्मा ने भास्कर से चर्चा में कहा कि मुरैना जिले में रविवार को हुई घटना में चीते पर हमला हुआ है।

मुख्यमंत्री ने करंट लगने से दो लोगों की मृत्यु पर किया दुः ख व्यक्त

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जबलपुर के पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत मांडवा बस्ती में रविवार शाम को करंट लगने के कारण दो लोगों की मृत्यु हो जाने की घटना पर दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी आत्मीय संवेदनाएं व्यक्त की हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार देर रात सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि राज्य शासन की ओर से मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये तथा घायल को 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दिये जाने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। मुख्यमंत्री ने बाबा महाकाल से दिवंगत आत्माओं की शांति और शोकाकुल परिवार को यह असीम दुःख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री ने घायल के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की है। जबलपुर की रामपुर मांडवा बस्ती में रविवार शाम को मां-बेटे अपने घर की बालकनी में लोहे का सामान व्यवस्थित कर रहे थे। इसी दौरान उनके हाथ में मौजूद लोहे का पाइप ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन बिजली लाइन से छू गया, जिससे तेज करंट फैल गया। हाईटेंशन बिजली लाइन की चपेट में आने से 55 वर्षीय सीता राजपूत और उनके 23 वर्षीय बेटे किशन राजपूत की मौत हो गई। हादसे में परिवार का एक अन्य सदस्य (भतीजा) गंभीर रूप से घायल हो गया है, जिसका इलाज जारी है।

पूर्व जिला जज गिरिबाला सिंह की जमानत पर अंतिम सुनवाई पूरी

भोपाल। ट्विशा शर्मा की मौत के मामले में आरोपी सास और पूर्व जिला जज गिरिबाला सिंह की जमानत याचिका पर सोमवार को मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में अंतिम सुनवाई पूरी हो गई। जस्टिस अजय निरंकारी की कोर्ट में गिरिबाला सिंह और सीबीआई की ओर से वकीलों ने अपनी-अपनी दलीलें पेश कीं। गिरिबाला के वकीलों ने सीबीआई की चार्जशीट में शामिल तथ्यों पर 40 बिंदुओं में जवाब पेश किया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। सीबीआई के अनुसार, 12 मई 2026 की रात ट्विशा शर्मा अपने ससुराल में फांसी पर लटकी मिली थीं। उन्हें इलाज के लिए भोपाल एम्स ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की थी। मामले में ट्विशा की सास गिरिबाला सिंह और पति समर्थ सिंह के खिलाफ मई 2026 में भोपाल के कटारा हिल्स थाने में भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। सीबीआई ने अपनी जांच में आरोप लगाया है कि गिरिबाला सिंह और समर्थ सिंह दहेज के लिए ट्विशा को मानसिक रूप से प्रताड़ित करते थे।

जमीन बंटवारे के विवाद में भाजपा नेता के भाई की गोली मारकर हत्या

भोपाल। प्रदेश के गुना जिले में सिरसी थाना क्षेत्र के सारेठा गांव में रविवार की रात जमीन बंटवार के विवाद में भाजपा नेता की हत्या कर दी गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई है और मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि भाजपा जिला मंत्री वीर बहादुर सिंह सारेठा के परिवार में वन विभाग की करीब 500 बीघा जमीन के बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा था। रविवार की रात करीब आठ बजे विवाद के दौरान फायरिंग हुई, जिसमें विजय यादव (40) को गोली लगी। परिजन विजय को गंभीर हालत में जिला अस्पताल लेकर पहुंचे थे,जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। फायरिंग का आरोप मृतक विजय उनके बड़े भाई भरत सिंह यादव के बेटे विशाल पर है। जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई है और मर्ग कायम कर मामले की जांच जांच शुरू कर दी है। पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी हुई है। इधर, छोटे भाई की मौत की खबर सुनकर भाजपा जिला मंत्री वीर बहादुर सिंह सारेठा का बीपी बढ़ गया,जिसके बाद उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

गांधी परिवार के इशारे पर कांग्रेस अध्यक्ष खरगे देते हैं बयान : हेमंत खंडेलवाल

प्रधानमंत्री मोदी पर खरगे की टिप्पणी को लेकर भाजपा ने घेरा कांग्रेस कार्यालय



भोपाल। राजधानी भोपाल में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिता को लेकर की गई टिप्पणी के विरोध में सोमवार को भाजपा ने प्रदेश कांग्रेस कार्यालय का घेराव किया। प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। भाजपा कार्यकर्ता बैरिकेड पर चढ़ गए। रेडक्रॉस अस्पताल के सामने शिवाजी नगर चौराहे पर भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ता आमने-सामने आ गए, जिससे मौके पर तनाव की स्थिति बन गई। भाजपा नेता और कार्यकर्ता रेडक्रॉस अस्पताल के सामने एकत्रित हुए। यहां से पैदल मार्च करते हुए कांग्रेस कार्यालय की ओर बढ़े। प्रदर्शन में भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लाल सिंह आर्य, विधायक भगवानदास सबनानी, विधायक रामेश्वर शर्मा,भोपाल के महापौर मालती राय और शहर अध्यक्ष रविंद्र यति सहित कई नेता मौजूद रहे। प्रदर्शन के दौरान विधायक रामेश्वर शर्मा और भगवानदास सबनानी बैरिकेड पर चढ़ गए। मौके पर पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए वाटर कैनन चलाई। बैरिकेड के एक तरफ कांग्रेस कार्यकर्ता फूल और लाठियां लेकर प्रदर्शन कर रहे थे,जबकि दूसरी तरफ भाजपा कार्यकर्ता बैरिकेड पर चढ़कर विरोध जता रहे थे। इस दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कांग्रेस अध्यक्ष खरगे के बयान की निंदा करते हुए आरोप लगाया कि इस तरह की टिप्पणी राजनीति की मर्यादा का उल्लंघन है। उन्होंने सवाल उठाया कि खरगे अपने बयानों में मर्यादा का उल्लंघन खुद करते हैं या गांधी परिवार के इशारे पर ऐसा करते हैं। भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने खरगे की टिप्पणी को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भी अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। शर्मा ने कहा कि खरगे को अपने पद और संसदीय परंपराओं का ध्यान रखते हुए भाषा की मर्यादा बनाए रखनी चाहिए। रेड क्रॉस हॉस्पिटल के सामने स्थिति तनाव पूर्ण हुई भाजपा और कांग्रेस के कार्यकर्ता हुए आमने-सामने बैरिकेड के एक तरफ कांग्रेस के कार्यकर्ता हाथों में फूल और लाठियां लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं वहीं दूसरी तरफ भाजपा के कार्यकर्ता बैरिकेड परचढ़ गये। दरअसल, पटना में रविवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के भाषण के दौरान एक व्यक्ति की टिप्पणी के जवाब में उन्होंने कहा था, 'मोदी का बाप भी जाएगा।' इस बयान को लेकर भाजपा नेताओं ने कांग्रेस पर हमला बोला और इसे राजनीतिक मर्यादा के खिलाफ बताया। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने भी टिप्पणी की निंदा की। उन्होंने कहा कि राजनीति में विचारों का मतभेद स्वाभाविक है,लेकिन भाषा और व्यवहार में मर्यादा बनाए रखना जरूरी है। राजनीतिक विरोध के दौरान भी गरिमा और शालीनता का ध्यान रखा जाना चाहिए। उधर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि खरगे जैसे वरिष्ठ नेता से मर्यादित भाषा की अपेक्षा की जाती है। उन्होंने प्रधानमंत्री के दिवंगत पिता को लेकर की गई टिप्पणी को भारतीय संस्कृति और संस्कारों के खिलाफ बताया।

सऊदी अरब में भोपाल और इंदौर के 120 से ज्यादा लोग फंसे हुए



उमराह करने गए थे,फ्लाइट हुई कैंसिल,सरकार से वापस लाने की मांग

भोपाल। मिडिल ईस्ट में सैन्य तनाव के बीच उड़ानें रद्द होने से उमराह करने गए करीब 4 हजार भारतीयों की वापसी अटक गई है। कांग्रेस प्रवक्ता अब्बास हफीज के मुताबिक, इनमें मध्यप्रदेश के 300 से ज्यादा और भोपाल-इंदौर के 120 से अधिक लोग शामिल होने की आशंका है। अब्बास हफीज ने केंद्र सरकार से यात्रियों की सुरक्षित वापसी के लिए विशेष व्यवस्था करने की मांग की है। उनके मुताबिक, यात्रियों को होटल, खाने और स्थानीय परिवहन पर रोजाना प्रति व्यक्ति 4 से 5 हजार रुपए अतिरिक्त खर्च करने पड़ रहे हैं। एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने रियाद-दम्माम की उड़ानें 7 नवंबर तक और जेद्दा की उड़ानें 31 अक्टूबर तक रद्द की हैं। हफीज ने बताया कि उनकी फ्लाइट भी रद्द हुई थी। तीन-चार दिन की परेशानी के बाद उन्हें दूसरी एयरलाइन से दूसरे देश के रास्ते भारत लौटना पड़ा। अब्बास हफीज ने विदेश मंत्री एस.जयशंकर से यात्रियों की वापसी के लिए विशेष व्यवस्था करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि भारतीय दूतावास की ओर से हेल्पलाइन नंबर जारी करने और वीजा अवधि बढ़ाने में मदद करने से वापसी की समस्या हल नहीं होगी। सरकार को एयरलाइंस के साथ समन्वय कर वैकल्पिक उड़ानों या विशेष विमानों की व्यवस्था पर विचार करना चाहिए। भोपाल के खानू गांव निवासी अनस खान परिवार के 11 सदस्यों के साथ उमराह करने मदीना गए हैं। उनका 29 अक्टूबर का इंडिगो का रिटर्न टिकट था,लेकिन फ्लाइट कैंसिल होने के बाद अब तक दूसरी फ्लाइट नहीं मिल सकी है। अनस के मुताबिक, ट्रैवल एजेंसी अब दूसरे देश के रास्ते भारत लौटने का विकल्प देख रही है। इसके लिए परिवार को पुराने टिकट के अलावा करीब 20 से 22 हजार रुपए अतिरिक्त खर्च करने पड़ सकते हैं। हफीज ने बताया-एयरलाइंस सुरक्षा कारणों से उड़ानें संचालित नहीं कर रही हैं, लेकिन वापसी का टिकट ले चुके यात्रियों की सुरक्षित वापसी के लिए भी व्यवस्था होनी चाहिए। उन्होंने आशंका जताई कि क्षेत्र में तनाव बढ़ने पर यात्रियों को निकालने में और मुश्किल हो सकती है। बर्रा ट्रैवल्स के मैनेजर हमजा नदवी ने कहा कि उड़ानें रद्द होने के बाद यात्रियों को होटल और खाने की पर्याप्त सुविधाएं नहीं मिलीं। एयरलाइंस ने टिकट का पूरा रिफंड देने की बात कही, लेकिन दूसरी उड़ानों के टिकट सामान्य किराए से कई गुना महंगे मिल रहे थे। नदवी के मुताबिक,कई यात्रियों ने कर्ज लेकर,तो कुछ ने अपनी गाड़ी और सामान बेचकर महंगे टिकट खरीदे और भारत लौटने का इंतजाम किया। उन्होंने दावा किया कि सरकार ने यात्रियों को वापस लाने के लिए कोई चार्टर्ड विमान नहीं भेजा।

मध्यप्रदेश से 1 नवंबर को दिल्ली रैली में एक लाख लोग होंगे शामिल

राहुल गांधी की रैली में भीड़ जुटाने के लिए जीतू पटवारी जुटे तैयारी में

भोपाल। एसआईआर और कथित वोट चोरी के विरोध में 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली 'वोट बचाओ-देश बचाओ जन मार्च और महारैली' के लिए मध्यप्रदेश कांग्रेस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी जिला अध्यक्षों, जिला प्रभारियों और विधानसभा प्रभारियों के साथ समीक्षा बैठकें कर रहे हैं। इन बैठकों में वे जिलेवार दिल्ली जाने वाले लोगों की संख्या के साथ परिवहन और आरक्षण की तैयारियों का हिसाब ले रहे हैं। कांग्रेस ने मध्यप्रदेश से एक लाख लोगों को दिल्ली ले जाने का लक्ष्य तय किया है। इसके लिए पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। समीक्षा के दौरान पटवारी यह जानकारी ले रहे हैं कि किस जिले से कितनी बसें और चार पहिया वाहन बुक किए जा चुके हैं, रेलवे में कितने आरक्षण हुए हैं और दिल्ली जाने वाले लोगों की कितनी सूची तैयार हो गई है। पार्टी का जोर लक्ष्य के मुताबिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के साथ यात्रा की व्यवस्था समय पर पूरी करने पर है। ग्वालियर-चंबल संभाग के जिला अध्यक्षों, विधायकों, पूर्व विधायकों, विधानसभा प्रभारियों और जिला प्रभारियों को दो-दो हजार लोगों को दिल्ली ले जाने का लक्ष्य दिया गया है। प्रदेश के अन्य जिलों में पदाधिकारियों को एक-एक हजार लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई है। समीक्षा बैठकों में इन लक्ष्यों के मुकाबले अब तक हुई तैयारियों की जानकारी ली जा रही है। दिल्ली रैली की तैयारियों के साथ पटवारी विधानसभा प्रभारियों से उनके क्षेत्रों में संगठनात्मक गतिविधियों की प्रगति का ब्योरा भी मांग रहे हैं। इसके लिए प्रभारियों से सवालों के जवाब मांगे गए हैं। इनमें बूथ लेवल एजेंट-2 (बीएलए-2) के गठन में योगदान और उसके भौतिक सत्यापन की स्थिति,मंडलम के गठन और सत्यापन तथा वार्ड-पंचायत समितियों के गठन और उनके भौतिक सत्यापन से जुड़े सवाल शामिल हैं। प्रभारियों से यह भी पूछा जा रहा है कि उन्होंने अपने प्रभार क्षेत्र का कितनी बार दौरा किया और हर महीने क्षेत्र में कितने दिन प्रवास किया। इन जानकारियों के जरिए विधानसभा स्तर पर संगठन के गठन,उसकी वास्तविक स्थिति और प्रभारियों की सक्रियता का आकलन किया जा रहा है।

हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी के साथ हुई झूमाझटकी



जातिसूचक शब्दों के इस्तेमाल करने पर तिवारी के मुंह पर पोती स्याही

भोपाल। भोपाल के भवानी चौक (पीर गेट) पर सोमवार दोपहर हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी के साथ कुछ युवकों ने झूमाझटकी की और उनके मुंह पर स्याही पोत दी। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस भी हुई। तिवारी पर एक इंटरव्यू के दौरान अनुसूचित जाति के लिए जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करने का आरोप है। विवाद के बाद उन्होंने इसे गलती बताते हुए वीडियो जारी कर माफी भी मांगी थी। घटना के बाद तिवारी ने आरोप लगाया कि हमला करने वाले युवकों ने खुद को अनुसूचित जाति का बताया था। उन्होंने कहा कि वे सनातन धर्म के लिए काम करते रहेंगे और किसी धमकी से पीछे नहीं हटेंगे। घटना के बाद चंद्रशेखर तिवारी ने कहा कि सनातन धर्म को तोड़ने वालों के सामने वे झुकने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा,तुमने गर्दन काटने की धमकी दी है। जब तक गर्दन नहीं काटोगे,तब तक सनातन का काम करता रहूंगा। मैं हिंदू समाज का था, हिंदू समाज का हूं और हिंदू समाज का रहूंगा। उन्होंने हमला करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की बात कही है। उनका कहना है कि समर्थकों के साथ कोतवाली थाने पहुंच रहे हैं। घटना को लेकर सोशल मीडिया पर कई दावे किए जा रहे हैं। इनमें कहा जा रहा है कि झांकियों के दौरान सख्ती और डीजे पर पाबंदी के पीछे तिवारी की पुलिस के साथ कथित मिलीभगत थी। इसी से नाराज लोगों ने उनके मुंह पर कालिख पोती। हालांकि,इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। चंद्रशेखर तिवारी हाल ही में प्रतिमा विसर्जन के दौरान तेज आवाज में बज रहे डीजे को बंद कराने की कार्रवाई को लेकर विवादों में आए थे। इस दौरान उन्होंने पुलिसकर्मियों को खरी-खोटी सुनाई थी।



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बड़वानी जिले के जामली (सेंधवा) के गायत्री धाम में पौध-रोपण किया।